Rs.10

RNI no - DELHIN/2016/70215

दिल्ली दिल से

Year- 02 Issue- 07 August

अपना भाग्य हम स्वयं बनाते हैं : शहनाज हुसैन

एलिट मॉडल लुक ने दिए युवा प्रतिभाओं के सपनों को पंख

'डिकॉन्जेस्ट इंडिया'

एनटीपीसी NTPC
एक महारत्न कम्पनी

40 वर्ष - सतत् विकास के

पर्यावरण संरक्षण
के प्रति समर्पित

- 47,000 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता
- 2032 तक 1,28,000 मेगावाट वाली कम्पनी बनने का लक्ष्य
- 44 पावर स्टेशन का संचालन
- 18 कोयला-आधारित, 1 जल आधारित एवं 9 साझा उपक्रम/सहायक कंपनी
- 7 सम्मिलित साइकिल गैस/तरल ईंधन आधारित स्टेशन
- 9 सौर ऊर्जा उपक्रम

एनटीपीसी ने पर्यावरण सुरक्षा के लिए सुपरिभाषित कार्यक्रम, हरित ऊर्जा उत्पादन हेतु उपायों, तथा सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन हेतु ठोस कदम उठाए हैं। लक्ष्य है, समाज के हित में अपने आसपास के वातावरण का संरक्षण करना।

एनटीपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

विद्युत क्षेत्र में अग्रणी

(CIN: L40101DL1975GOI007966)
वेबसाइट: www.ntpc.co.in
Follow us on: /ntpc1 | /ntpcltd1 | /ntpclimited | /company/ntpc

दिल्ली दिल से

वर्ष 2 अंक – 07
अगस्त

उप संपादक
शैरी

मुख्य संवाददाता
कान्ति तिवारी

संवाददाता
स्वाती सौरभ ,तनुश्री
साक्षी पान्डेय , सुनीता

विचार एवं साज सज्जा
अभ्यूदय

प्रचार प्रसार
रश्मी पाण्डेय

कानुनी सलाहकार
सुरेन्द्र नारायण मिश्रा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रीता मिश्रा ने आदित्य ग्राफिक्स, बहादुर शाहजफर मार्ग दिल्ली से छपवाकर प्रधान कर्यालय ए–299 शंकर मार्ग , गली नं–4 वेस्ट विनोदनगर दिल्ली 110092 से प्रकाशित

प्रधान संपादक
रीता मिश्रा

- ऑल–न्यू टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स लॉन्च
- विद्याज्ञान ने दूसरा स्नातक समारोह आयोजित किया
- ओलिविया फेसवॉश की नई रेंज
- जीएसटी : गरीबों के उत्थान में सहायता प्रदान करने का महान साधन
- एलिट मॉडल लुक 2017 ने दिए युवा प्रतिभाओं के सपनों को पंख
- *अतीत की कड़वी यादों को गोली मारेगी गोली*
- 'डिकॉन्जेस्ट इंडिया'
- पांचवे सीज़न में राम मेहर सिंह देंगे कोचिंग
- पीसीआरए 'सक्षम राष्ट्रीय प्रतियोगिता
- रेत के ढेर पर बसा नोयडा
- एफ सी आई मैक्स ग्रीन एवं रेड डिजायर डियोडरेन्ट
- बच्चे की लव लाइफ
- टेंशन नहीं पेशेंस रखे
- अंत्योदय का सपना साकार, गरीब दलित का बेटा बना देश के राष्ट्रपति – मनोज तिवारी
- राजनाथ सिंह ने किया रूद्राक्ष का पौधारोपण
- भारत जीवन बीमा के माध्यम से सरकार की प्रधानमंत्री वयवंदना योजना का औपचारिक शुभारंभ
- 'हर हाथ ,एक किताब'

अपना भाग्य हम स्वयं बनाते हैं : शहनाज हुसैन

शहनाज हुसैन वो शक्सियत है जिनके नाम से खूबसुरती और सौन्दर्य प्रसाधन की दुनिया रौशन है। शहनाज नें हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट को पुरी दुनिया में तब पहचान दिलाई जब लोग हर्बल ब्यूटी का नाम भी नही जानते थे । पिछले 40 सालों में सौन्दर्य की दुनिया में राज करने वाली शहनाज हुसैन से दिल्ली दिल से की सम्पादक रीता मिश्रा की एक मुलाकात

- क्या जिस मुकाम पर आप आज है ये आपका बचपन का सपना था ?
- *मैं हमेशा से बदलाव लाना चाहती थी ,हमेशा से प्रभावशाली इंसान बनना चाहती थी पर इतना कुछ नही सोचा था जैसा कि सब जानतें हैं कि मेरी शादी 16 साल की उम्र में हो गयी थी , जिंदगी अच्छे से चल रही थी पर मैं रोजमर्रा के कामों से काफी बोर हो चुकी थी कि मेरी सोच में एक बदलाव आया । मुझे हमेशा से दूसरों को खुबसुरत बनाना पसंद था इसलिए मैने सौन्दर्य को ही अपने कैरियर के रूप में चुना । मैने अच्छी शिक्षा पाना चाहती थी इसलिए पश्चिम के नामी संस्था में काम किया और ईरान ट्रीब्यूनल के लिए लेख लिखती थी ।*

- किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

- *मेरे पिताजी ने हमेशा मेरा मनोबल बढ.या । मैं एक संकुचित मानसिकता वाले परिवार से हूँ परन्तु मैं खुशनसीब हूँ कि मुझे मेरे पिता ने अंग्रेजी स्कुल में मेरी शिक्षा दिलवायी उनकी वजह से कविता और अंग्रेजी साहित्य में मेरी रूची बढ़ी । मेरे पिताजी ने मुझे भारतीय संस्कृति और प्रभावशाली विचारधाराओं का ज्ञान दिया । उन्होने सपनो को पुरा करना भी सिखाया । और व्यपार की शुरूआत में खुद पर भरोसा रखना सिखाया । मुझे अपने क्लिनिक खोलने के लिए 35000रू दिये । मेरी सफलता के पिछे पिताजी का विश्वास और उनका मुझपर भरोसा था । उन्होने हमेशा मेरा साथ दिया परोपकार का रास्ता दिखाया । पिताजी ने कहा कि आध्यात्मिक सदभावना सांसारिक सफलता से ज्यादा महत्वपूर्ण है । उनकी सिखाई हर बात मेरे बुरे वक्त में काम आया और मुझे प्रेरणा दी और मुझे मजबूत बनाया ।*

- आपको सौन्दर्य उत्पाद बेंचनें की प्रेरणा कहॉ से मिली ? कैसे आपने इसे व्यवसाय के रूप में शुरूआत की ?

लंदन में मेरी ट्रेनिंग के दौरान मुझे रासायनिक पदार्थ से होने वाले नुकसान के बारे में पता चला । इस बात ने मेरी जिन्दगी में बदलाव ला दिया इसी कारण मुझे व्यवसायिक बनने की प्रेरणा मिली और इसप्रकार मैने एक ऐसा उपचार बनाने की सोची जिससे त्वचा को कोई नुकसान न पहुँचे । आर्युवेद की शिक्षा से ही मैने ऐसा उपचार बनाने का सोंचा जिनसे त्वचा को किसी भी प्रकार से हानी न पहुँचे । आर्युवेद से ही मैंने प्राकृतिक विकल्प इजाद करने की ठानी । और ईलाज के सिद्वांत के आधार पर उस समय ऐसी अवधारणा थी ही नही । मैं समझ चुकी थी कि अपना विचार लोगों तक पहुँचाने का एक ही रास्ता है अपना खुदका हर्बल सैलून । मैने अपना सैलून अपने घर के छोटे कमरे से ही शुरू किया । मैने प्रचलित उपचारों को असविकरित करके खुद के प्राकतिक उपचारों का उपयोग किया साथ ही मैने खुद के बनाये हुए आर्युवैदिक उत्पाद तैयार किये । मेरा स्वतंत्र होना अपने आप में प्रेरणा श्रोत बन गया था । मैं जानती थी कि अपने विचार लागु करने के लिए मेरा अपना व्यवसाय होना जरूरी है । मेरी रचनामकता को बढ.ाने के लिए सही माहौल जरूरी था और ऐसा तभी मुमकिन था जब कोई उद्यमी बन जाय अपने सपनों को वास्तिवकता में बदलने का जुनून ही मुझे उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया ।

• ऽहार्वड बिजनेस स्कूल ने हाल ही में आपका विडियों साक्षात्कार किया इसके बारे में कुछ बतायें ?

मैं दिल्ली में डॉ एल आर हैस से पहले मिल चुकी हूँ । वो यह सुनकर हैरान थे कि कैसे मैने व्यवसायिक विज्ञापन के बिना एक वैश्विक नेटवर्क और ब्रांड नाम की स्थापना की उनके हिसाब से मेरी व्यापार रणनितियां हर किताबी नियम की अवहेलना करती है । मुझे अपने व्यवसाय और विपणन रणनीतियों पर हार्वड बिजनेस स्कूल में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया । यह ब्रेंड कियेसन पर एक केश स्टडी बन गया ।
हाल ही में हार्वड ने अपने इमर्जिग मार्केटस निर्माण परियोजना पर मेरा विडियों साक्षात्कार का आयोजन किया जो प्रबंधन के छात्रों के लिए व्यवसाय इतिहास का एक हिस्सा होगा । इससे पहले मैने हार्वड केस स्टडी की थी और अब मै हार्वड के लिए एक विषय हूँ ।

• हार्वड में आपका साक्षात्कार किस तरह व्यवस्थित होगा ?

मुझे हार्वड के प्रोफेसर जेफ्री जोन्स द्वारा लिखा एक पत्र मिला जिसमें उन्होने लिखा कि इमर्जिग मार्केटस का निर्माण सावधानीपूर्वक बनाये विडियों सक्षात्कार व्यवसाय नेतरित्व के इतिहास के माध्यम से कब्जा करने के लिए एक आधारभूत प्रयास है ।पत्र में लिखा था कि आपका साक्षात्कार एक महत्वपूर्ण योगदान का प्रतिनिधित्व करता है । हार्वड बिजनेस स्कूल 1928 में एमबीए छात्रों के लिए ऐतिहासिक पाठयक्रम पढ.ा रहा है और वर्तमान में ग्लोबल और अमेरिकन बिजनेस इतिहास पाठयक्रम दो सबसे लोकप्रिय एच्चछिक विषय पेश किये गयें हैजो साक्षात्कार बिजनेस हिस्टी का हिस्सा होगा यह व्यापार के इतिहास के महत्व को प्रबंधन शिक्षा में उजागर करेगा ।

ऽप्रोफेसर जोन्स के उद्धरण क्या कहतें है ?

हार्वड के प्रोफेसर जैफी जोनस बिजनेस हिस्ट्री के प्रोफेसर कहते हैं कि हम हार्वड बिजनेस स्कूल के इमर्जिग मार्केटस प्रोजेक्ट बनाने में शहनाज हुसैन को शामिल करना चाहतें हैं । इसका कारण भारत की प्राकितिक सौन्दर्य बाजार और कॉपोरेट समाजिक के महत्व में उनका असिम विश्वास है ।

Shahnaz Husain, who was a **'Case Study'** and now a 'Subject' and part of the Curriculum on **Emerging Markets at Harvard, Boston,** seen with Prof Geoffrey Jones at the Harvard Conference held in Mumbai.

- •आपका व्यवसाय मॉडल क्या है ?

हमारा व्यापार मॉडल एक मताधिकार प्रणाली है जो शहनाज हुसैन ब्रांड की सफलता का प्रमुख कारण है जिसके द्वारा शहनाज हर्बल नाम और उपचार को उपयोग करने का अधिकार प्राप्त होता है । बदले में फेंचाईजी को शहनाज हुसैन की सौन्दर्य प्रशिक्षण अकादमी में प्राप्त करना होता है । इस ब्रांड नाम ने जबरदस्त अन्राष्ट्रीय सदभवना स्थापित की है । शहनाज हुसैन सैलून अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर पथ तोड.ने वाला उपचारों के लिए जाना जाता है फेंचाइजी शहनाज हुसैन आ एण्ड डी यूनिटों में उन्नत अनुसंधान और विकास लाभ भी प्राप्त करतें हैं । फैंचाइजी सर्मथन कार्यकम तकनीकि ज्ञान और सर्मथन विपणन सहायता , वेवसाईट साफटवेयर प्रदान करता है । फेंचाइजी के लाभ ने उधमियों के लिए एक महत्वपूण अवसर प्रदान करता है ।

- ऽआपके उत्पादों पर किस तरह के शोध किये गये ?

मैं नवाचार आर एण्ड डी पैकेजिंग और यहॉ तक की मेरे उत्पादों का विपणन भी कर रही । शुरूआत से ही मैं सुगंधों   बारे में बहुत विशिष्ट रही हूॅं । कच्चे माल की शुद्वता सुनिश्चित करने के लिए एक जड.ी बूटी और फूलों की खेती भी दिल्ली के पास स्थापित की गई ।

इसप्रकार गुणवत्ता नियंत्राण का ध्यान कच्चे माल के चरण से रखा जाता है । यह कठोर प्रशिक्षण अनुसंधान के माध्यम से किया जाता है । इसप्रकार प्रत्येक चरण में नियंत्रण का प्रयोग कर के उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित जाती है ।

- ऽयुवा महिला उद्यमियों के लिए आपकी क्या सलाह है ?व्यवसाय को बढ.ाने के लिए उन्हे क्या प्रयास करने चाहिये ?

सबसे पहले व्यवसायिक योग्यता और प्रशिक्षण जरूरी है । खुदपर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें कहने का साहस रखें कि मुझे यह नही आता मगर मैं सीख सकती हूॅं । आप में अनिश्चित दरिन्ढ संकल्प और कठोर परिश्रम करने की क्षमता होनी चाहिए । कभी हार मत मानों अगर आप हार नही मानते तो कभी भी आफल नही हो सकते । अनुकुलन और समायोजित करने की क्षमता रखना चाहिये क्योंकि एक उद्यमी को बाजार के बदलती मांगों के अनुकुक होना चाहिए । जैसा कि मैंने किया था आप एक छोटे तरीके की शुरूआत कर सकते हैं बड.ी सोंच के साथ । कुछ भी ऐसा नही है जो असंभव हो ।

Shahnaz Husain receives the Padma Shri Award from President of India Dr. Abdul Kalam

• ऽभविष्य के लिए आपकी क्या योजनायें हैं ?

हमारी भविष्य की योजनाओं में निरंता अर्न्तराष्ट्रीय ब्रांडिग मजबूत करना शामिल है वैश्विक श्ररिंखला को बढ.ाना नये बाजारों में वितरकों की नियुक्ति करना है । हम अपनी उपस्थिति अमेरिका , कनाडा , यूके , संयुक्त अरब , कुबैत, बहरीन, ओमान,आस्ट्रेलिया, सिंगापुर , मलेसिया और विश्व के प्रमुख देशों में बढ.ाना चातें हैं । वर्तमान में शहनाज हुसैन समूह की फैंचाइजीसौ से अधिक देशों में दुकान सैलून, स्पा सौन्दर्य प्रशिक्षण अकादमी है । उत्पाद नवीनता और हमेशा की तरह भविष्य के लिए विकास की योजना भी बनायी जाती है ।

• ऽआपने कहा कि आप बाहरी सुंदरता के लिए आंतरिक स्वास्थ्य में विश्वास रखती हैं आप अपने जीवन में इसे कैसे अपनाया ?

व्यस्त काम काज मेरे कैरियर की मांग है । लेकिन मैं दैनिक व्यायाम के लिए एक समय निर्धारित कर लेती हूँ । मैने योग द्वारा तनाव से राहत देने के लिए एक शानदार तरीका पाया है । मैं कुछ श्वांस व्यायाम से शुरूआत करती हूँ । यूोग का पहला कदम बेहतर सांस लेना है और प्रणायाम श्वांस लेने का बेहतर अभ्यास है । यह मुझे शारीरिक और मानसिक थकान से छुटकारा पाने में सहयोग करता है ।

• ऽआपने कहा कि मेरी परोपकारी काम मेरी उद्यमी सफलता का केंद्र रहा है आप अपनी परोपकारी गतिविधियों के बारे में बतायें ।

मैं शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए व्यवसायिक सौन्दर्य प्रशिक्षण का सर्मथन करके उन्हे आत्म निर्भर बनने में सहयोग करती हूँ । मैने इसी संदर्भ में गुंगों बहरो और नेत्रहीनों के लिए निशुल्क प्रशिक्षण पाठयकम शुरू किया था । इस कार्यकम का उदघाटन तत्तकालिन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह 1984 किया था ।

• ऽकॉनस में रेड कारपेट पर चलने का अनुभव कैसा था ?
मैं दो बार कॉनस के रेड कॉरपेट पर चली हूँ तब मैने भारतीय सिनेमा के सौ साल वुरा होने के समारोह में भाग लिया था जिसमें एक कैंडल लाईट डिनर भी शामिल था । कार्यकम में भारतीय पर्यटनमंत्री के साथ ही सिनेमा जगत के कई सितारे मौजूद थे हस्तीयों के उनके ड्रेस और डिजाइनर और ब्रैड का नाम पुछा जा रहा था मुझसे पुछा गया तो मैने कहा कि मैं एक दस्तकारी हैदराबादी भारतीय ब्रांउ ड्रेस पहनी हुई हूँ ।

ऽहमें अपने जीवन के एक विशिष्ट दिन के बारे में बतायें और आप अपने काम के साथ कितनी व्यस्त रहती है ?

मेरे पास हर रोज बहुत ही व्यस्त कार्यक्रम रहता है और मैं एक साथ कई कार्यक्रम बनाकर निपटार कर लेती हूँ । मैं व्यक्तिगत दायित्व के बारे में बहुत ही विशिष्ट हूँ जिसमें अपने लोगों को विशिष्ट कार्ड या उपहार भेजती रहती हूँ । मेरे दिन में पैकेजिग अर्न्तराष्टीय विस्तार , जनसम्पर्क विभागों के साथ चर्चा शामिल है । मुझसे मिलने वालों में अक्सर विदेशी खरीददार या मीडियाकर्मी होते है । मेल और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे पुरस्कर समारोहों पर भी उपस्थित होना होता है ।आर्युवेद की विश्वव्यापी सफलता मेरे लिए बड.ी खुशी की बात है यह मेरे अथक प्रयासों का सार्थक परिणाम है ।

- ऽसंक्षेप में अपने जीवन का नजरीया समझाये ।

देखिये रीताजी मैं नियती में विश्वास नही रखती आप अपना भाग्य स्वयं बनाते हैं । मेरा जीवन के प्रति हमेशा सकारात्मक नजरिया रहा है । मैने चुनौतियों का स्वागत किया है तथा उनको अवसरों के रूप में देखा है । मैं जीवन में हमेशा आशावाद रही हूँ और चुनौतियों का सामना खुशी पूर्वक की है । मेरा मानना है कि कोशिश से बड.ी से बड.ी सफलतता हासिल की जा सकती है । जीवन का मेरा नजरिया है कर्म करो बाकि भगवान पर छोड. दो ।

Shahnaz Husain & Mr. R.K. Puri walk the Red Carpet at Cannes Film Festival.

Shahnaz Husain receiving the award for the "Outstanding Ayurvedic Innovation" from the Home Secretary, U.K.- Theresa May-2014

ऑल–न्यू टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स लॉन्च

भारत में एडवेंचर श्रेणी की बाजार अग्रणी, ट्रायंफ मोटरसाइकिल्स ने 18,75,000 रु. में टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स लॉन्च की

भारत में आज ऑल–न्यू टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स के लॉन्च के साथ ट्रायंफ मोटरसाइकिल्स इंडिया प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री विमल सुंबली ने कहा, '' ट्रायंफ टाईगर परिवार भारत में एडवेंचर राईडिंग श्रेणी और संस्कृति के निर्माण में अग्रणी है। देश में 800 से अधिक ग्राहकों के साथ ट्रायंफ न केवल बेहतरीन मोटरसाइकिल निर्मित करती है, बल्कि एक ऐसे परिवेश का निर्माण भी करती है, जिसमें राईडर सुरक्षित व श्रेष्ठ तरीके से राईड करने के कौशल से सुसज्जित हो। ट्रायंफ टाईगर ट्रेल्स जैसे अभियान और हमारी टाईगर ट्रेनिंग एकेडमी इस बात का प्रमाण हैं।

इस श्रेणी में अग्रणी होकर उल्लेखनीय टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स अपनी अत्याधुनिक विशेशताओं व राइडर पर केंद्रित टेक्नॉलॉजी के साथ सड़क पर या फिर ऊबड़–खाबड़ मैदान, दोनों जगह बेहतरीन स्थिरता व नियंत्रण प्रदान करती है। यह बाईक राइडर को अपने पसंदीदा एडवेंचर में मदद करती है, जिसमें वो कभी भी और कहीं भी बिना रुके जा सकें। यह दैनिक आवागमन से लेकर पृथ्वी के हर कोने में जाने का एक बेहतरीन साधन है।''

नई ट्रायंफ एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स ऑफ–रोड पर जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए तैयार की गई है। एक्ससीएक्स मॉडल किसी भी वातावरण में श्रेश्ठ प्रदर्शन करता है। यह एक बेहतरीन मशीन एवं टेक्नॉलॉजी प्रदान करती है, जो इस मोटरसाइकिल को हर दूरी व स्थान के लिए एक जबरदस्त एडवेंचर के साथ तैयार करती है।
एक्सप्लोरर एक्ससीएक्स में 1215 सीसी का ट्रिपल इंजन है, जो विशाल क्षमता के एडवेंचर सेगमेंट में अद्वितीय है, तथा अंतिम शैफ्ट ड्राईव द्वारा अपनी पॉवर डिलीवर करता है। ट्रिपल इंजन की पॉवर इसके लीनियर टॉर्क कर्व के द्वारा विविध रेव एवं स्पीड सीमाओं में एक समान रूप से वितरित होती है। टॉर्क असिस्टेड क्लच, क्लच के काम को बहुत हल्का और स्मूथ बना देता है, जिसके चलते लंबी दूरी व स्टॉप–स्टार्ट शहरी राईडिंग में राइडर को कम से कम परेशानी होती है। नया एग्जॉस्ट सिस्टम विशेश रेजोनेंट नोट के साथ इंजन की परफॉर्मेंस को बेहतर बनाता है।

नई टाईगर एक्सप्लोरर की संपूर्ण परफॉर्मेंस को प्रवेश स्तर के दो मॉडलों में डब्लूपी एडजस्टेबल सस्पेंशन के प्रयोग से नई गति□ीलता मिलती है। इसके अन्य चार मॉडलों में अत्याधुनिक ट्रायंफ सेमी–एक्टिव सस्पेंशन सिस्टम है। इसके द्वारा राइडर फ्रंट एवं रियर सस्पेंशन डैंपिंग को इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण द्वारा आसानी से एडजस्ट कर सकता है, रियर शॉक एब्जॉर्बर प्रि–लोड सेटिंग को स्वचालित रूप से अनुकूलित कर तय की गई दूरी देख सकता है और किसी भी परिस्थिति में श्रेश्ठ ड्राईव व सर्वोत्तम पकड़ प्राप्त कर सकता है।

राइडर को सभी तरह की सड़कों व मार्गों पर अपेक्षित हैंडलिंग, कंट्रोल और रिस्पॉन्स प्रदान करने के लिए टाईगर एक्सप्लोरर एक्ससी मॉडल में एक स्टैंडर्ड मल्टी–चैनल स्विचेबल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल दिया गया है।

विद्याज्ञान ने दूसरा स्नातक समारोह आयोजित किया

उत्तरप्रदेश के गांवों के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए लीडरशिप एकेडमी, विद्याज्ञान ने आज अपने दूसरे स्नातक समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में विद्याज्ञान, सीतापुर परिसर (जो बुलंदशहर परिसर के दो साल बाद स्थापित किया गया) का पहला बैच ग्रामीण लीडरशिप एकेडमी से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के साथ शामिल हुआ। इस समारोह में फेसबुक के मैनेजिंग डायरेक्टर, भारत एवं दक्षिण एशिया, श्री उमंग बेदी तथा भारत के एकमात्र सोलो ओलिम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट, श्री अभिनव बिंद्रा, गेस्ट ऑफ ऑनर थे। इस समारोह में विद्याज्ञान के विद्यार्थियों, टीचर्स, अभिभावको ं एवं अन्य गणमान्य लागे ों ने हिस्सा लिया।

इस साल एकेडमी से 380 विद्यार्थी पास होकर निकले, जिनमे ं से 259 विद्यार्थियो ं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए और 93 विद्यार्थियो ं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। ज्यादातर विद्यार्थियो ं ने आईआईटी गुवाहाटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (एनआईटी), नेशनल डिफेंस एकेडमी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नॉलॉजी आदि प्रतिश्ठित संस्थानों में प्रवेश पाया। सात विद्यार्थियों को प्रतिश्ठित अंतर्राश्ट्रीय संस्थानों जैसे पर्डयू, वर्जिनिया टेक, पेन्सिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफार्ि नया, डेविस मे ं प्रवश्े ा मिला।
विद्याज्ञान के दूसरे बैच के अन्य विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वोच्च कॉलेजों जैसे लेडी श्री राम, हिंदू, रामजस आरै गागी ि कॉलेज तथा अन्य सवोर्च्च विश्वविद्यालयों जैसे शिव नादर विश्वविद्यालय, एसएसएन इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय आदि में प्रवेश पाया।

83.3 प्रतिशत के कुल अंको ं के साथ 380 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए

विद्याज्ञान, सीतापुर के विद्यार्थी न` कॉमर्स मे ं 96.8 प्रतिषत अंको ं के साथ जिले मे ं सर्वाधिक अंक अर्जित किए

स्नातक समारोह के बारे में रोशनी नादर मल्होत्रा, ट्रस्टी, शिव नादर फाउंडेशन एवं चेयरपर्सन, विद्याज्ञान ने कहा, ‘‘२०१६ में हमारे पहले बैच के विद्यार्थी स्नातक हुए और उन्होंने शानदार परिणाम दिए। इस साल हमारा लक्ष्य बड़ी सफलता हासिल करके बड़े मापदंड स्थापित करना था। हमारे विद्यार्थियों की उपलब्धि पर मुझे गव ि है। उन्होंन` राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहना प्राप्त की। कल्पना कीजिए कि ये विद्यार्थी अपना प्रोफश्े ानल कॅरियर शुरु करने के बाद किस प्रकार अपने परिवारो ं व संपूर्ण समुदायो ं की जिंदगी बदल देगं े। आज हम भविष्य के ३८० लीडर्स देश को दे रह` हैं, जिनमें भारत की सामाजिक व आर्थिक संरचना में बदलाव लाने का सामर्थ्य है।’’

शिव नादर फाऊन्डेशन
विश्व के ३१ देशां` में १२०,००० से ज्यादा कर्मचारियो ं के साथ ७०५ बिलियन डॉलर की अग्रणी ग्लोबल टेक्नॉलॉजी एवं आईटी कंपनी है। इसकी स्थापना एचसीएल के फाऊन्डर शिव नादर ने की है।१६७६ में स्थापित एचसीएल भारत के ओरिज़नल आईटी गैरेज़ स्टार्टअप्स में से एक है और विविध बिज़नेस संबंधी तकनीकी समाधान पेश करता है, जिनमें संपूर्ण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर स्पेक्ट्रम के साथ औद्योगिक वर्टिकल्स की श्रृंखला शामिल हैं।

२००६ में शिव नादर फाउंडेशन द्वारा स्थापित विद्याज्ञान ;ूण्अपकलंळलंदण्पदद्ध में आज १६०० से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसके उत्तरप्रदेश में दा` परिसर, बुलंदशहर आरै सीतापरु मे ं हैं। इस एकेडमी की शुरुआत उत्तरपद्र`श के गावं ो ं से गरीब समुदाय के प्रतिभाशाली बच्चो ं का चयन कर उन्हे ं शिक्षित और विकसित करके गांवों व शहरों के अंतर को दूर करने के लिए की गई थी। पूर्ण आवासीय एकेडमी, विद्याज्ञान में न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जाती है, बल्कि उनकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाता है। विद्याज्ञान भविष्य के लीडर्स का निर्माण करके सामाजिक असंतुलन को दूर करने का प्रयास करता है। ये लीडर्स अपने परिवारों, समुदायों व समाज के आदर्श बनेगं े। फाउंडेशन का` उम्मीद है कि इससे कई लागे ां` की महत्वाकांक्षाओं का विकास होगा।

ओलिविया फेसवॉश की नई रेंज

जाने माने कॉस्मेटिक ब्राण्ड ओलिविया ने इस मानसून उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए फेसवॉश की नई रेंज बाज़ार में उतारी है। फेसवॉश के ये तीन नए वेरिएन्ट्सा हैं केसर, दूध और लिकोरिस से युक्त अल्ट्रा फ्रैश फेयरनैस (फॉर ब्राइटर स्किन), नीम, तुलसी और एलो वेरा से युक्त हर्बल एक्ने रिपेयर (फॉर क्लियर स्किन) तथा सोने, चंदन और हल्दी के गुणों से युक्त गोल्डन ग्लो (फॉर रेडिएन्ट स्किन)

''भारतीय स्किनकेयर बाज़ार में क्रीम ओर लोशन सबसे बड़ी हिस्सेदारी बनाते हैं, हालांकि उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में भी ये बाज़ार में अपना प्रभुत्व बनाए रखेंगे। हमें विश्वास है कि फेसवॉश की यह नई रेंज उपभोक्ताओं को लुभाने में कामयाब रहेगी।'' ओलिविया कॉस्मेटिक्स के डायरेक्टर श्री इरफान मेमन ने कहा।

फेसवॉश 15 एमएल और 60 एमएल की ट्यूब्स में क्रमशः 15 रु और 60 रु की कीमत पर उपलब्ध हैं। ओलिविया के ये नए फेसवॉश सभी अग्रणी कॉस्मेटिक्स, मेडिकल एवं जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे।

ओलिविया एक भारतीय कॉस्मेटिक ब्राण्ड है जिसे व्यापक अनुसंधान एवं विकास के बाद गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए जाना जाता है। 1987 में अपनी भुरूआत के बाद से कम्पनी किफ़ायती एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रही है। उपभोक्ताओं को हर्बल उत्पाद उपलब्ध कराने के दृश्टिकोण के साथ ओलिविया आज सौन्दर्य एवं कॉस्मेटिक उत्पादों में हर घर का जाना–माना नाम बन गया है। ओलिविया के उत्पाद भारत के सभी राज्यों तथा कुछ विदेशी बाज़ारों में भी उपलब्ध हैं।

जीएसटी : गरीबों के उत्थान में सहायता प्रदान करने का महान साधन

संसद के भव्य केंद्रीय कक्ष में वस्तु एवं सेवा कर के शुभारम्भ के लिए राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटित लघु और संक्षिप्त वीडियो में देश के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कर सुधार के स्पष्ट उद्देश्य को दर्शाया गया। जीएसटी किस तरह देश के सकल घरेलू उत्पाद को प्रोत्साहन देगा और व्यापार एवं उद्योग के लिए जीवन आसान बनाएगा, इस बारे में अर्थशास्त्रियों और अन्य टीकाकारों द्वारा हमें जो बताया जा रहा था, उसके विपरीत शुभारम्भ के अवसर पर प्रदर्शित फिल्म में आधुनिक कराधान के व्यापक पहलु को दिखाया गया, जिसके केंद्र में देश की जनता विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित लोग हैं।30 जून की मध्य रात्रि को, जीएसटी का शुभारम्भ करने से पहले अपने प्रेरक भाषण में, प्रधानमंत्री ने जीएसटी का उल्लेख गरीबों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश और अन्य पूर्वी राज्यों तथा पूर्वोत्तर के गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के साधन के तौर पर किया। प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद, ये राज्य उन संसाधनों का उपयोग अपने विकास के लिए कर पाने में विफल रहे हैं।इस पर गौर करते हुए प्रारंभ में यह पूछा जा सकता है कि जीएसटी देश के गरीबों के लिए किस तरह बेहद लाभकारी होगा या क्या यह पुराने ''ट्रिकल डाउन'' सिद्धांत की तरह व्यापार और उद्योग के जरिए भूमिका निभाने वाला होगा। कुछ हद तक ऐसा हो सकता है, लेकिन जीएसटी का स्वरूप उस बात को साकार करना सुनिश्चित करेगा, जो प्रधानमंत्री ने देश के बेहद विशिष्ट दर्शकों के समक्ष कही थी। देश की परिपक्व राजव्यवस्था और सहयोगपूर्ण संघवाद ने आखिरकार एक ऐसी प्रणाली प्रदान की है, जो आवश्यक तौर पर विनिर्माता केंद्रित न होकर लोक–केंद्रित है। उत्पाद शुल्क या अन्य शुल्कों के विपरीत जीएसटी, जिसमें सात केंद्रीय और आठ राज्य कर सम्मिलित हैं'– स्रोत या विनिर्माता आधारित नहीं, बल्कि गंतव्य या उपभोक्ता केंद्रित है। स्पष्ट और सरल भाषा में कहें, तो जिन राज्यों में उपभोक्ताओं की संख्या अधिक होगी, उन्हें कराधान में होने वाले लचीलापन के संदर्भ में अपार लाभ प्राप्त होगा, जिसे बाद में जनता और राज्यों के समग्र आर्थिक विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं में लगाया जाएगा। निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्तर राज्य, जहां ज्यादा उत्पाद शुल्क या अन्य शुल्कों के विपरीत जीएसटी, जिसमें सात केंद्रीय और आठ राज्य कर सम्मिलित हैं'– स्रोत या विनिर्माता आधारित नहीं, बल्कि गंतव्य या उपभोक्ता केंद्रित है। स्पष्ट और सरल भाषा में कहें, तो जिन राज्यों में उपभोक्ताओं की संख्या अधिक होगी, उन्हें कराधान में होने वाले लचीलापन के संदर्भ में अपार लाभ प्राप्त होगा, जिसे बाद में जनता और राज्यों के समग्र आर्थिक विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं में लगाया जाएगा। निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्तर राज्य, जहां ज्यादा विनिर्माण आधार नहीं है और जिन्हें राजस्व की हानि हो रही है, उन्हें लाभ प्राप्त होगा, जबकि विकसित और विनिर्माण केंद्रों को जीएसटी के प्रारंभ के कम से कम पांच वर्षों के लिए क्षतिपूरित किया जाएगा। राज्य में जितने ज्यादा उपभोक्ता, उतना अधिक कर संग्रह, हालांकि उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से अधिकारसम्पन्न बनाने की जरूरत होगी!

विनिर्माण में महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु या कर्नाटक जैसे राज्यों के साथ कदमताल नहीं मिला सके इन राज्यों में व्यापार से वृद्धि को प्रोत्साहन प्राप्त होगा, बदले में बड़े पैमाने पर संसाधनों का सृजन होगा, ताकि उन्हें फिर से विकास के प्रयासों में लगाया जा सके। ऐसी जीवंतता आगे चलकर घरेलू और वैश्विक दोनों के निवेशकों की विनिर्माण और उससे संबंधित सेवा क्षेत्रों में दिलचस्पी का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन की संभावनाएं बनेंगी।

प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में कहा, '' जीएसटी ऐसी व्यवस्था है, जो देश के व्यापार में मौजूद असंतुलनों को समाप्त करेगी। यह देश के निर्यात को भी प्रोत्साहन देगी। यह व्यवस्था के पहले से विकसित राज्यों को ही बल नहीं प्रदान करेगी, बल्कि पिछड़े राज्यों को भी विकास का अवसर प्रदान करेगी। हमारे राज्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं– बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर और ओडिशा की ओर देखिए। उन सभी में प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। जब उन्हें एकल कर व्यवस्था मिलेगी, तो मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि उनके यहां जो भी कमी है, उसे दूर कर दिया जाएगा और देश की यह कला आगे बढ़ेगी। भारत के समस्त राज्यों को विकास का समान अवसर प्राप्त होगा।''

'गंगानगर से लेकर ईटानगर तक''एक देश–एक कर के अलावा, श्री मोदी के शब्दों में कहें, तो इससे आर्थिक लेन–देन के

ईमानदार तरीके को प्रोत्साहन देते हुए निश्चित तौर पर उद्योग, व्यापार और आम आदमी के लिए अलग–अलग तरह से जीवन आसान होगा। इसीलिए जीएसटी को ''गुड एंड सिम्पल टैक्स'' करार दिया गया है, जो शासन की नई संस्कृति लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों ने ही जीएसटी को अमली जामा पहनाने का पूरा श्रेय विभिन्न राजनीतिक दलों और केंद्र तथा राज्यों की सरकारों को दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह किसी एक सरकार या दल की सिद्धी नहीं है. ये हम सबके साझे प्रयासों का परिणाम है।'' पिछली सरकार में वित्त मंत्री के रूप में उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर जीएसटी की यात्रा में अहम भूमिका निभाने वाले राष्ट्रपति ने अपने उद्‍गार व्यक्त करते हुए कहा रू

"कर व्यवस्था का नया युग३३ केन्द्र और राज्यों के बीच बनी व्यापक सहमति का परिणाम है। इस सहमति को बनने में केवल समय ही नहीं लगा, बल्कि इसके लिए अथक प्रयास भी करने पड़े। ये प्रयास राजनीतिक दलों की ओर से किए गए जिन्होंने संकीर्ण पक्षपातपूर्ण सोच को दरकिनार कर राष्ट्र हित को तरजीह दी। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और विवेक का प्रमाण है।"नई कर व्यवस्था के प्रमुख फायदों में से एक 'कर पर कर' के कारण होने वाले व्यापक प्रभावों से मुक्त होना है। सुदृढ़ आईटी अवसंरचना के माध्यम से, इनपुट क्रेडिट की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि वह कर–देयताओं के खिलाफ पारित और समायोजित की जाएं। इससे सिर्फ उपभोक्ताओं की मदद होगी। जाने–माने कर विशेषज्ञ श्री बृज भूषण का कहना है, ''वस्तुओं और सेवाओं के दामों में गिरावट आएगी। पिछली व्यवस्था में,उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट और अन्य अप्रत्यक्ष करों के लिए क्रेडिट अंतिम वेंडर तक नहीं पहुंचता था। लेकिन जीएसटी में, ऐसा क्रेडिट मूल्य श्रृंखला की अंतिम अवस्था में आपूर्तिकर्ता तक जाता है, जो बाद में उपभोक्ताओं को हस्तांतरित होता है।

वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली भी उद्योग जगत को समझाते आ रहे हैं कि वह जीएसटी लागू होने के बाद प्राप्त हो रहे किसी भी प्रकार के लाभ को आगे बढ़ाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि फायदों को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए सरकार को लाभ–विरोधी प्राधिकरण के माध्यम से संभवतरू अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा।

यहां तक कि राष्ट्रपति श्री मुखर्जी ने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में कुछ रुकावटें हो सकती हैं, ये रचनात्मक रुकावट होगी। एक बार जब हम इन शुरूआती कठिनाइयों और समायोजन की आरंभिक अवधि को पार कर लेंगे, जीएसटी लोक–केंद्रित, जीवन में बदलाव लाने में सक्षम साबित होगा।

'प्रकाश चावला

स्वाइप एलिटवीआर

स्वाइप की हाल ही में सम्पन्न हुई 5वीं वर्शगांठ सभा में संस्थापक एवं सीईओ श्री श्रीपाल गांधी ने स्वाइप 2.0 के लॉन्च की घोशणा की है। उनके विजन के अनुरूप स्वाइप 2.0 विजन 2022 के समानार्थी है, जहां स्वाइप एक मोबाइल गैजेट्स कंपनी से 21वीं सदी की पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी का मुकाम हासिल कर लेगी। उन्होंने कहा था, ''मास्टर प्लान बना लिया गया है और इस सप्ताह से स्वाइप की ओर से नई श्रेणियों और उत्पादों की पेशकश भुरू हो जायेगी। स्वाइप 2.0 की भुरूआत आज स्वाइप एलिट वीआर के लॉन्च के साथ हुई। यह खासतौर से सिर्फ भॉपक्लूज़ पर उपलब्ध है।

- स्वाइप एलिट वीआर द्वारा बड़े डिस्प्ले (5.5''), बड़े एन्टरटेनमेंट (वीआर), बड़ी बैटरी (3000 एमएएच) के साथ ''प्रभावशाली अनुभव'' प्रदान किया जायेगा
- 4,499 रूपये की पॉकेट फ्रेंडली कीमत में सम्पूर्ण मनोरंजन का आनंद उठायें
- भारत में 2016–2021 के दौरान वर्चुअल रियलिटी बाजार 55 प्रतिशत की दर से विकसित होगा
- एक नये इंटरफेस के माध्यम से क्रिकेट व फिल्में देखें और गेम्स खेलें
- टियर 2, 3, 4 में युवा वर्ग द्वारा इसे सबसे पहले अपनाया जायेगा

एलिट मॉडल लुक 2017 ने दिए युवा प्रतिभाओं के सपनों को पंख

दिल्ली ऑडिशन में रीजनल कास्टिंग पूरी करने के बाद युवक–युवितयों को अपना सपना साकार होते नजर आने लगा। सैंकड़ों आशान्वित प्रतिभागियों के बीच चयनित ये सभी प्रतिभागी अब सितंबर 2017 में होने वाले नेशनल कास्टिंग फाइनल के लिए गोवा जाएंगे। यह प्रतियोगिता देश के सात शहरों से भविष्य के सर्वश्रेष्ठ विश्व स्तरीय सुपरमॉडल चुनने के उद्देश्य से आयोजित की गई है, जिनका फाइनल चयन गोवा में होगा। अन्य प्रतिभागियों का चयन कोलकाता, पुणे, मुंबई, गोवा, हैदराबाद और बंगलूरू से होगा। यह प्रतियोगिता, जो पूरे भारत में 07 शहरों का दौरा करेगी, अपने प्रारंभिक क्षेत्रीय कास्टिंग दौर के लिए आज दिल्ली पहुंच गई। दिल्ली का क्षेत्रीय कास्टिंग शुक्रवार, 28 जुलाई 2017 को डीएलएफ प्रोमेनेड, वसंत कुंज, दिल्ली में आयोजित हुआ था।

elite
MODEL LOOK 2017
INDIA

जजों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन करना बहुत मुश्किल काम था। जूरी के पैनल में सुपरमॉडल डाएंड्रा सोरेस, ईएमएल इंडिया लाइसेंसी मार्क रॉबिंसन, फैशन एडिटर विनोद नायर और फैशन डिजाइनर रीना ढाका शामिल थे और इन सबके बीच एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर वशिष्ठ कुमार भी मौजूद थे। प्रतिभागियों का चयन उनके फोटोजेनिक आकर्षण, व्यक्तित्व, स्वाभाविक सुंदरता, रैंप वॉक और पहली छवि के आधार पर किया गया। साथ ही उनमें मौजूदा फैशन ट्रेंड्स के मुताबिक क्षमता को भी चयन में प्राथमिकता दी गई। प्रतिभागियों के अंत में चार लड़कियां और पांच लड़कों को अगले चरण के लिए चुना गया। दिल्ली से चुने गए भाग्यशाली प्रतियोगियों– लड़कियों में जेसलीना नायर, कियारा, मुस्कान बिसारिया और स्वप्ना प्रियदर्शिनी और लड़कों में दिव्यम बिधूडी, पंकज राठी, राज डोबरियाल, सौरभ चौधरी और तेनजिंग रिन्चेन।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित करने का मकसद प्रतिष्ठित ईएमएल वर्ल्ड प्रतियोगिता में सफल होने की क्षमता रखने वाले विजेताओं का चयन करना है। राष्ट्रीय विजेताओं को एलिट एजेंसी के साथ दो साल का अनुबंध सुनिश्चित किया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए यह प्रतियोगिता मॉडलिंग में कैरियर बनाने की संभावना तलाशने का सुनहरा अवसर है क्योंकि यह एजेंसी इस उद्योग के कई प्रतिभाशाली मॉडलों को निखारते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मशहूर रही है। वैश्विक लोकप्रियता हासिल करने का अवसर पाते हुए प्रभावशाली और प्रतिष्ठित प्रतिभागी अपनी सफलता को लेकर आशान्वित हैं और इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चुने जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टेक्नोस्फीयर अकादमी ने क्रिकेट टूर्नामेंट कप जीता

अतीत की कड़वी यादों को गोली मारेगी गोली

जिंदगी में कुछ ऐसे लम्हे आते हैं जिन्हें आप सपने में भी याद करना चाहेंगे हालांकि लाख कोशिशें के बावजूद इन पलों को भुलाना नामुमकिन होता है। अमेरिका स्थित जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिकों ने लोगों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए ऐसी दवा बनाई है, जिसे खाते ही अतीत की कड़वी यादों से छुटकारा मिल जायेगा। ''डेली मेल'' के मुताबिक मानव मस्तिष्क समेत ज्यादातर जीवों के पफीयर सेंटर में विंडो ऑपफ वल्नरेबिलिटी नामक ऐसा केंद्र पाया जाता है, जहां कड़वे अनुभव होने पर प्राटीन के रूप में दर्दनाक यादें इकट्ठी होती जाती हैं। नई गोली पफीयर सेंटर में जमा न होने वाले इन्हीं अस्थाई प्रोटीन का सपफाया करती है। अखबार की मानें तो शोध्कर्ता चूहों पर गम मिटाने वाली गोलियों का सपफल परीक्षण भी कर चुके हैं। आने वाले दिनों में इसे मानव शरीर पर भी आजमाने की योजना है। प्रमुख शोध्कर्ता केट पफेरिनहोल्ड को उन्हें यकीन है कि इन गोलियों की मदद से इंसान के पफीयर सेंटर में मौजूद एक–दो साल नहीं, बल्कि दशकों पुरानी दर्दनाक यादों के निशान मिटाए जा सकेंगे। बकौल पफेरिनहोल्ड, आने वाले दिनों में यह गोली जंग के मैदान में कत्लेआम देखने वाले पफौजियों के लिए वरदान साबित होगी। पफेरिनहोल्ड ने बताया कि यह गोली न केवल कड़वी यादों से पीछा छुड़ाने के साथ ही डिप्रेशन के दानव को मात देने में मदद करती है।

'डिकॉन्जेस्ट इंडिया'

ऊबर इंडिया ने राष्ट्रीय अभियान, 'डिकॉन्जेस्ट इंडिया' के लॉन्च की घोषणा की। यह कॉन्जेस्शन के कारणों की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने के लिए एक देशव्यापी अभियान है, जिसकी शुरुआत नई दिल्ली से हुई है। यह अभियान शेयर्ड मोबिलिटी के द्वारा कॉन्जेस्शन कम करने के राईडशेयरिंग टेक्नॉलॉजी फर्म के संकल्प की पुष्टि करता है। इस अभियान के तहत ऊबर आने वाले दिनों में दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और बैंगलोर में कॉन्जेस्शन की समस्या के समाधान के लिए डेटा आधारित वार्ता संचालित करने पर केंद्रित होगी। नई दिल्ली में इस अभियान के उद्घाटन के चरण की घोषणा श्री मनीश सिसौदिया, डिप्टी सीएम, दिल्ली; श्री मनोज तिवारी, सांसद, उत्तरपूर्व दिल्ली और श्री नरेश कुमार, चेयरमैन, एनडीएमसी की मौजूदगी में रिपोर्ट, 'मूविंग दिल्ली फॉरवार्डः द केस फॉर डिकॉन्जेस्शन' के लॉन्च के साथ की गई।

आंकड़े बताते हैं कि निजी कारें 96 प्रतिशत समय बेकार खड़ी रहती हैं और इनमें औसत 1.14 लोग प्रति कार की ऑक्युपेंसी दर होती है। इन अध्ययनों के साथ वर्तमान संसाधनों के उपयोग की परिकल्पना से एक वैकल्पिक दुनिया के निर्माण में मदद मिल सकती है क्योंकि वासतविक दुनिया में यातायात जाम रहता है और सड़के पार्किंग लॉट की भांति दिखती हैं। कॉन्जेस्शन से उपजी मोबिलिटी की समस्या के समाधान व शहर की बढ़ती आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय जरूरतों के लिए सेवाएं प्रदान करने की जरूरत पर बल देते हुए श्वेता राजपाल कोहली, हेड ऑफ पब्लिक पॉलिसी फॉर ऊबर इंडिया एवं दक्षिण एशिया ने कहा, ''डिकॉन्जेस्ट इंडिया के लॉन्च के साथ हमें उम्मीद है कि हम नीतिनिर्माताओं का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित कर सकेंगे कि कारें समस्या की बजाए समाधान का हिस्सा किस प्रकार हो सकती हैं। अभियान का पहला चरण दिल्ली पर केंद्रित है, जो सर्वाधिक प्रदूषित और कॉन्जेस्टेड शहर है। हमें खुशी है कि दिल्लीवासियों ने शेयर्ड मोबिलिटी को सहर्ष अपनाया है, लेकिन दिल्लीवासी कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन लेकर अपने शहर को और अधिक रहने योग्य बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।''

ऊबर ने राष्ट्रव्यापी अभियान 'डिकॉन्जेस्ट इंडिया' लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य कॉन्जेस्शन व प्रदूषण को कम करना है

ऊबर का मानना है कि शेयर्ड मोबिलिटी की पूरी सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए नियामक बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता है। कोहली ने आगे कहा, ''हम नई दिल्ली के तनावपूर्ण और अत्यधिक भार से पीड़ित शहरी मोबिलिटी के परिदृश्य के समाधान के लिए शेयर्ड मोबिलिटी का वायदा पूरा करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे।''

सरकार, मीडिया और सिविल सोसायटी में संबंधित स्टेकहोल्डर्स के साथ लक्षित वार्ताओं व डेटा शेयरिंग के द्वारा डिकॉन्जेस्ट इंडिया का लक्ष्य चार प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान केंद्रित करना है :

1. कार पूलिंग को फायदेमंद बनाना।
2. पार्किंग पर निर्भरता कम करना।
3. निजी कार के स्वामित्व के विश्वसनीय, किफायती विकल्प विकसित करना।
4. किफायती एवं भरोसेमंद मोबिलिटी विकल्प प्रदान करके सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जो कोने कोने को जोड़ते हैं।

ऊबर की सबसे किफायती पेशकशों में से एक, ऊबरपूल, जिसने भारत में लाखों किलोमीटर की यात्रा की बचत करने में मदद की है, के फायदों पर प्रकाश डालते हुए प्रभजीत सिंह, जनरल मैनेजर, ऊबर इंडिया (दिल्ली और उत्तर भारत) ने कहा, ''दिल्ली में हमारी 30 प्रतिशत से ज्यादा ट्रिप्स पूल ट्रिप्स हैं। समय के साथ दिल्ली के ऊबरपूल राईडर्स ने 19 मिलियन किलोमीटर से अधिक यात्रा की बचत करने में मदद की है, जो 936 किलोलीटर ईंधन तथा कार्बन डाई ऑक्साईड के उत्सर्जन में 22 लाख कि.ग्रा. की कटौती के बराबर है। ज्यादा शहरों में आज ज्यादा लोग ऊबरपूल का प्रयोग कर रहे हैं, इसलिए इससे उस भविष्य के लिए योगदान देने में मदद मिलेगी, जो ऊबर ने निर्मित करना शुरु कर दिया है, यानि कम कारों में ज्यादा लोग और कम लोगों के पास कारें होना, जिससे सड़क पर कम कारें होंगी।''

कई अध्ययनों में सामने आया है कि कार–टू–पीपुल अनुपात भारत में काफी कम है, (हर 1000 लोगों पर केवल 20 कारें हैं)। भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक और गंभीर बात यहां का रेंगता यातायात है। 2016 में दिल्लीवासियों ने 40 किलोमीटर की दूरी के लिए 3.43 घंटे सड़क पर व्यतीत किए, जबकि 2011 में यह आंकड़ा 1.36 घंटे था।

परिवहन के नियम एक किफायती, सुरक्षित, स्मार्ट व सतत मोबिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट– मूविंग दिल्ली फॉरवार्ड: द केस फॉर डिकॉन्जेस्शन, में शेयर्ड मोबिलिटी को बढ़ावा देने व निजी कार के स्वामित्व को हतोत्साहित करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाने और अन्य सार्वजनिक उद्देश्यों एवं ढांचागत विकास के लिए शहर में संभावनाएं खोलने के तरीके तलाशे गए हैं। इसके कुछ प्रमुख सुझाव निम्नलिखित हैं :

- कोने–कोने में कनेक्टिविटी के लिए बाईकशेयरिंग सेवाओं के लिए वर्तमान मोटरसाईकल्स के प्रयोग की संभावनाओं का लाभ उठाना।
- वर्तमान निजी वाहनों को कमर्शियल वाहनों में बदलने तथा आवश्यक लाईसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया को दिशाबद्ध करना।
- समय के साथ रहते हुए एनालोग आधारित हार्डवेयर के मुकाबले टेक्नॉलॉजी पर आधारित समाधानों को बढ़ावा देना।
- मोटर वेहिकल एक्ट में प्रस्तावित संशोधनों का प्रयोग कर पुरानी पर्मिट की प्रक्रियाओं को सरल बनाना।

श्री मनीष सिसौदिया, डिप्टी चीफ मिनिस्टर, दिल्ली ने कहा, ''मैं डिकॉन्जेस्ट दिल्ली के लॉन्च पर ऊबर को बधाई देता हूं। दिल्ली सरकार शहर में कॉन्जेस्शन को कम करने वाले अभियानों में अपना पूरा सहयोग देगी।''

ऊबर दुनिया में परिवहन के तरीके में परिवर्तन ला रहा है। हमारे एप्प के माध्यम से राईडर्स को ड्राईवर्स से कनेक्ट करके हम शहरों को अधिक एसेसिबल बना रहे हैं और राईडर्स के लिए अधिक संभावनाएं निर्मित करके वाहन चालकों के लिए अधिक व्यापार के अवसर पैदा कर रहे हैं। 2009 में हमारी स्थापना से आज सैकड़ों शहरों में हमारे लॉन्च तक ऊबर की तेजी से बढ़ती हुई वैश्विक पहुंच लोगों और उनके शहरों को नज़दीक ला रही है। आज ऊबर 73 देशों के 500+ शहरों में उपलब्ध है। यह सेवा भारत के 29 शहरों में उपलब्ध है,

पांचवे सीज़न में राम मेहर सिंह देंगे कोचिंग

प्रदीप नरवाल होंगे डिफेन्डिंग चैम्पियन पटना पाइरेट्स के नए कप्तान दो बार चैम्पियन रह चुकी टीम के पांचवें सीज़न के लिए कबड्डी जगत के दिग्गज राम मेहर सिंह को कोच नियुक्त किया गया

वीवो प्रो कबड्डी में दो बार डिफेन्डिंग चैम्पियन रह चुकी पटना पाइरेट्स ने प्रदीप नरवाल को अपने पांचवें सीज़न का कप्तान नियुक्त किया है। 'डुपकी किंग' प्रदीप नरवाल जिन्होंने चौथे सीज़न के खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वे फ्रैंचाइज़ के लिए नेतृत्व करेंगे। 38 मैचों में प्रदीप ने 190 कामयाब रेड्स और 263 पॉइन्ट्स बनाए। टीम एक बार फिर से तीसरे और चौथे सीज़न की कामयाबी को दोहराने के लिए तैयार है। टीम 29 जुलाई को हैदराबाद में तेलुगू टाइटन्स के साथ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

कबड्डी जगत के एक और सितारे विशाल माने जो 57 मैच खेल चुके हैं, पांचवें सीज़न के लिए टीम के उप कप्तान होंगे। भारत के प्रख्यात कोच श्री राम मेहर सिंह पांचव सीज़न में टीम को कोचिंग देंगे।पटना पाइरेट्स के स्क्वैड में 16 भारतीय और 2 विदेशी खिलाड़ी हैं।

इनमें भाामिल हैं प्रदीप नरवाल (कप्तान), विशाल माने (उप कप्तान), विजय, प्रवीण बिरवाल, अरविंद कुमार, मोहम्मद माघसौधलु, सचिन शिंगाड़े, मोनू गोयत, मोहम्मत ज़ाकिर हुसैन, जयदीप, मनीश, जवाहर, सतीश, संदीप, वीरेन्द्र सिंह, विकास जगलान, विश्णु उथमन और विनोद कुमार। कबड्डी जगत के दिग्गज श्री राम मेहर सिंह टीम के कोच होंगे।

पटना पाइरेट्स एकमात्र टीम है जो लीग में लगातार भाानदार प्रदर्शन कर रही है। टीम प्रो कबड्डी लीग के पिछले चारों सीज़न में प्ले ऑफ मैच तक पहुंची है तथा सीज़न 3 और सीज़न 4 में चैम्पियन रही है। टीम का गठन बेहद संतुलित रूप से किया गया है जो पांचवे सीज़ने के 13 सप्ताह के खेल में 11 टीमों के साथ मुकाबला करने के लिए तैयार है। ज़ोन बी से पटना पाइरेट्स का मुकाबला बंगाल वेरियर्स, बैंगलुरू बुल्स, तमिल थलाइवास, तेलुगू टाइटन्स और यूपी योद्धा के साथ होगा।

इस मौके पर पटना पाइरेट्स के मालिक श्री राजेश वी भाह ने कहा, ''हमने युवा और प्रतिभाशाली प्रदीप को कप्तान नियुक्त किया है जो वीवो प्रो कबड्डी के पांचवें सीज़न में टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम के गठन को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं, जो विश्वस्तरीय कबड्डी खेलने का वादा करती है।''

इस सीज़न की योजना के बारे में बात करते हुए पटना पाइरेट्स के कप्तान प्रदीप नरवाल ने कहा, ''मैं प्रबन्धन के प्रति आभारी हूँ जिसने मुझे इतनी प्रतिभाशाली टीम के नेतृत्व की ज़िम्मेदारी सौंपी हैं। हम वहीं से शुरूआत करेंगे, जहां से हमने पिछले सीज़न को छोड़ा था और उम्मीद करते हैं कि इस सीज़न टीम को कामयाबी की नई उंचाईयों तक लेकर जाएंगे। जिस तरह से टीम मेहनत कर रही है, हमें विश्वास है कि इस सीज़न भी हम चैम्पियनशिप का खिताब लेकर आएंगे।'' **पटना पाइरेट्स के सीईओ पवन एस राणा ने कहा** ''प्रदीप पिछले 2 सीज़न में सबसे कामयाब रेडर रहे हैं और उन्हें एक बार फिर से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का मौका मिला है। इस बार कप्तान होने के नाते वे टीम में अच्छे लीडर की भूमिका निभाएंगे। प्रतिभाशाली एवं अनुभवी खिलाड़ियों का संयोजन और प्रदीप का नेतृत्व निश्चित रूप से टीम को बेहद संतुलित बनाता है। इसके अलावा खेल जगत के दिग्गज श्री राम मेहर सिंह का मार्गदर्शन निश्चित रूप से इस खिताब को बनाए रखने में प्रेरक की भूमिका निभाएगा।'' **प्रो कबड्डी लीग का पांचवां संस्करण 28 जुलाई से भुारू होने जा रहा है और फाईनल मैच 28 अक्टूबर को खेला जाएगा। इस सीज़न चार नई टीमें टूर्नामेन्ट में आई हैं, इस तरह लीग में टीमों की कुल संख्या 12 हो गई है।**

पीसीआरए ‘सक्षम राष्ट्रीय प्रतियोगिता

पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघए पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय , भारत सरकार के तत्वाधानमें एक राष्टीय सरकारी संस्था है जो अर्थ व्यवस्था के विभिन्न हिस्सों में उर्जा दक्षता को बढ.वा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा ही है । इस महान उद्वेश्य में अपनी सहभागिता प्रदान करने के उद्वेश्य से यूवाओं में ईंधन संरक्षण कक संदेश को फेलाने के उद्वेश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है । राष्ट्रीय प्रतियोगिता 20016 के विजेताओं को राज्यमंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा पीसीआरए द्वारा दिल्ली के सीरीफोर्ट आडिटोरिम में एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया पुरस्कारों में लैपटॉपए नगद और जापान यात्रा था । इस वर्ष सक्षम राष्टीय प्रतियोगिता 2017 के माध्यम से पीसीआरए के सभी शिक्षा बोर्ड के छात्रों और विधालयें तक बडे. पैमाने तक अपनी पहुँचका विस्तार करनेकी योजना है जिसमें 1 करोड छात्रों तक पहुँचने की योजना है ।

जीएसटी सुविधा केन्द्र

पोपकोर्न इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पूरे भारत के सभी राज्यों और कस्बो में सुविधा केंद्र खोल जीएसटी भरने और एकाउंट्स के लिए 10000 सुविधा केंद्र खोल रही है । यह अपनी तरह से पहेली कंपनी है जो जीएसटी लागू करने में सरकार की सहायता कर रही है। ये सुविधा केंद्र लोगों के लिए रोजगार का भी जरिया बनेंगे। मुंबई की पोपकोर्न इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने पार्क कनाट प्लेस में आयोजित सेमिनार में मैनेजिंग डायरेक्टर सुचित सराफ भारत में खुलने वाले सुविधा केन्द्रों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि टैक्सवेअर जीएसटी भरनेवालों की सभी आवश्यकताओ की पूर्ति करता हैं। सराफ ने बताया कि उद्योगपति इस साफ्टवेयर को अपने म्ट्च सिस्टम से जोड़ सकते है। चार्टर्ड अक्काउंटेंट्स अपने ग्राहकों को टैक्सवेयर की सेवा देकर इस साफ्टवेयर से फायदा उठा सकते है। जीएसटी नियम कैसे लागू किया जाए तथा जीएसटी को लागू करने में आने वाली दिक्कतों से कैसे निबटा जाये, यह वे अपने ग्राहकों को समझा सकते हैं । उन्होंने बताया कि नए करदाता जो जीएसटी की वजह से कर भरने के श्रेणी में आ गए है, वे तथा छोटे बड़े सभी व्यापारी भाई टैक्सवेयर के सुविधा केन्द्रों द्वारा जीएसटी भरने में आनेवाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे और जीएसटी रिटर्न आसानी से भर सकेंगे। पोपकोर्न इंफोटेक पूरे भारत के सभी राज्यों और कस्बो में सुविधा केंद्र खोल रहा है।

उन्होंने बताया कि कंपनी पूरे भारत में जीएसटी भरने और एकाउंट्स के लिए 10000 सुविधा केंद्र खोल रही है यह अपनी तरह से पहेली कंपनी है जो जीएसटी लागू करने में सरकार की सहायता कर रही है। सराफ ने बताया कि एक देश एक टैक्स सरकार की तरह कंपनी का भी यहि ध्येय है। कंपनी 31 अगस्त 2017 तक 1000 सुविधा केंद्र खुल जायेंगे। सुविधा केंद्र जीएसटी रजिस्ट्रशन रिटर्न भरने और एकाउंट्स के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बार कोडिंग स्कैनिंग टॅब जैसे अनेक जरियों से सुविधाएं देंगे। यह सुविधाएं सभी करदाताओं को कम कीमत पर प्रदान की जाएगी ।सुविधा केन्द्रों द्वारा सभी करदाताओं को एक ही जगह पर सारी सुविधाएं मिल जाएँगी। उन्होंने बताया कि कंपनी छोटे से छोटे उपभोतका से लेकर बडे से बड़े उद्योगपति सर्विस प्रोवाइडर को जीएसटी की जटिलताएं समझने में मदत करेगी बड़े उद्योगपति घरानों के अनेक जगह पर फैले कारोबार के कारन जीएसटी रिटर्न में आनेवाली दिक्कतों का समाधान कंपनी के पास है। सराफ ने बताया कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स जो अपने वफादार ग्राहकों जो सिर्फ उन्हीसे सेवा लेना चाहते है। इस कंपनी से जुड़कर वे सारी सुविधाएं सही तरीके से प्रदान कर सकते है। छोटे बड़े व्यापारी रिटेलर बिचोलिए जो अब तक टैक्स नहीं भरते थे और जो चार्टर्ड एकाउंटेंट्स से नहीं जुड़ना चाहते है वो कंपनी से सीधे जुड़कर जीएसटी रिटर्न फाइल कर सकते है। वे अपने आसपास खुलने वाले सुविधा केन्द्रों में जा सकते है। ये सुविधा केंद्र लोगों के लिए रोजगार का भी जरिया बनेंगे। सुविधा केंद्र भारत में एक नयी क्रांति लाएंगें।

रेत के ढेर पर बसा नोयडा

हिंडन नदी व यमुना नदी के खादर रेत पर बसा नोएडा गगनचुंबी इमारतों का शहर होगा और यह एनसीआर व भारत वर्ष में सबसे सबसे ऊंची इमारतों का शहर भी कहलायेगा। नोएडा के बसते समय किसी ने कल्पना नहीं की थी लेकिन आज सभी कल्पनाएं सच हैं डेंजर जोन व भूकंप रोधी जोन में सबसे ज्यादा संवेदनशील होने के बाद इमारतें यहा पर सुरक्षित हैं। कारण है सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान। नोएडा भी जोन–4 में आता है। इसे ध्यान में रखते हुए अथॉरिटी ने जब एपफएआर का दायरा बढ़ाया तो बिल्डिंग बॉयलाज में परिवर्तन मानक के तहत सापफ कर दिया कि सेंसिक जोन–5 मॉडल को एप्लीकेबल कर ही आप हाइराइज बिल्डिंग का निर्माण कर सकते हैं। इसी के चलते नोएडा को तीन जोनों में बांट बिल्डर निर्माण कर रहे हैं। यही नहीं वर्तमान में खरीददार केवल अच्छे व सुंदर मकान की चाह नहीं रखता उसे सुंदरता के साथ पर्यावरण व प्रदूषण रहित, भूकंप रोधी बिल्डिंग में सुरक्षा के तमाम मानकों पर खरा उतरने वाला घर चाहिए। इसलिए बिल्डर भी सुंदरता से ज्यादा सिक्योरिटी व पर्यावरण को ध्यान में रख प्रोजेक्ट लांच करने लगे हैं।

ग्रीन बिल्डिंग के नाम से जाने जानों वाले थ्री सी ग्रुप ने भारत में ग्रीन हाऊस की बिल्डिंगों का पटर्न लाकर नई शुरूआत की और इनके प्रोजेक्ट लोगों द्वारा खासा सराहे भी गए। इसी के देखा–देखी नोएडा के एक्सप्रेस–वे पर सुपरटेक ग्रुप ने ग्रीन विलेज के नाम से प्रोजेक्ट निकाले और ओमेक्स ग्रुप ने ग्रांड वुड्स। ये तीनों प्रोजक्ट अन्य की तुलना में खरीददार को महंगे प ड़ रहे हैं, बावजूद इसके इन्हें खरीदने से लोग पीछे भी नहीं हटते हैं। मशहूर आर्किटेक्ट हॉपिफज ग्रुप से जुड़े इंजीनियर मो. नूनुस के अनुसार उनके द्वारा ग्रेनो व नोएडा में करीब 50 से अध्कि बिल्डिंग प्लान की गयीं और जितने भी प्रोजेक्ट उन्होंने बनाये वे खासे चर्चा में रहे। उन्होंने बताया कि कोठी व फ्रलैट्स की तुलना कापफी अलग है, लेकिन दोनो में लोग रहते हैं।जहां कोठी में आ रही हवा धूप सहित हर तरह से सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं मालिकान पर होती है वहीं फ्रलैट में यह जिम्मेदारी आर्किटेक्ट के जिम्मे होती है। सन पफेसिंग मकान देना, पार्क पफेसिंग, हाईराइज इस पर भी यह हो कि ऊँचाई दूर सेस ज्यादा न लगे इसके अलावा भूकंप रोधी जो ऊपर रहने वाले के लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है इन सब बातों का ख्याल रख कर अच्छा घर बनाया जाता है।

बिल्डर भी सुंदरता से ज्यादा सिक्योरिटी व पर्यावरण को ध्यान में रख प्रोजेक्ट लांच करने लगे हैं।

सुंदरता से ज्यादा जरूरी सुरक्षा :

बदले समय के अनुसार वर्तमान में सभी बिल्डरों ने त्रिस्तरीय सुरखा प्लान बनाया है नोएडा एक्स. सहित एक्सप्रेस–वे व ग्रेनो में बनने वाले सभी ग्रुप इसको प्रमुखता से देते हैं। इस सुरक्षा प्लान के तहत प्रथम चरण में गार्ड, दूसरे चरण इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस चैकिंग और थर्ड पफेज में क्लोज सर्किट कैमरे से प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के प्लान बने हैं।

इसी तरह हाईराइज बिल्डिंग को अब सेंसिक जोन–5 की तर्ज पर बनाया जा रहा है। नोएडा सेंससिक जोन–4 में आता है और भूमि खादर होने के कारण शहर की बिल्डिंग 7.6 रियेक्टर का ही झटका झेल सकती हैं और आपको याद दिला दें कि वर्ष 2007 में नोएडा में 6.7 रियेक्टर स्केल तक का भूकंप आ चुका है जिससे कई ग्रुप हाऊसिंग की बिल्डिंगों को अच्छा खासा नुकसान हुआ था।

इमारतें 20–25 वर्ष ही रहती हैं महफूज :

वैसे तो आर्किटेक के अनुसार 40 साल तक ईमारतों की नींव को कुछ नहीहं होगा, लेकिन नोएडा की कई बिल्डिंगो पर रिसर्च कर चुके रूड़की के इंजीनियर डी.के. पॉल के अनुसार नोएडा की भूमि भूसर है नजीजतन यहां पर खड़ी हर बिल्डिंग रेत के ढेर पर है हालांकि कड़े नियमों के कारण बिल्डिगें सुरक्षित हैं लेकिन अन्य शहरों की तुलना में यहां की बिल्डिंग की उम्र उनसे कम हैं। कारण है नींव में नमक की मात्राा का अध्कि होना। उनके अनुसार एक अच्छे मानकों पर बनाई गई बिल्डिंग को 20 वर्षों तक हल्की मरम्मत के अलावा कोई जरूरत नहीं पड़ती लेकिन उसके बाद इसके स्ट्रक्चर में कुछ बदलाव जरूरी हैं।

दिल्ली मशीन टूल एक्सपो का दूसरा संस्करण प्रगति मैदान में शुरू

एफ सी आई मैक्स ग्रीन एवं रेड डिजायर डियोडरेन्ट

भारत की अग्रणी कॉस्मेटिक्स कम्पनी फ्रेग केयर इंक ने युवाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए एफ सी आई मैक्स ग्रीन डिजायर और एफ सी आई मैक्स ब्लू डिजायर को मार्केट में उतारा है। अगर पिछले दो सालों का रिकार्ड देखा जाये तो कम्पनी एफ सी आई के नाम से सत्तर से अधिक प्रोडक्ट मार्केट में उतार चुकी है, युवाओं द्वारा अभी तक कम्पनी के सारे प्रोडक्ट पसंद किये जा रहे हैं। युवाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए फ्रेग केयर इंक ने एफ सी आई मैक्स ग्रीन डिजायर और मैक्स ब्लू डिजायर ओरियंटल, मस्की, स्पाइसी, क्लोन और डीप वुडी नोट्स के साथ उतारा है। कम्पनी का युवाओं के प्रति यह विस्वास है कि युवा इस प्रोडक्ट को अपने लाइफ स्टाइल में शामिल करके अपने लाइफ स्टाइल को और अधिक शानदार बनायेंगे। तथा इस प्रोडक्ट के माध्यम से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

बच्चे की लव लाइफ
टेंशन नहीं पेशेंस रखें

टीनएज में प्यार हो जाना कोई नई बात नहीं है। स्कूल हो या कॉलेज, आज आए दिन प्यार में पागल किशोरों की खबरें बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में अभिभावकों को समझ ही नहीं आता कि वे किस तरह से अपने बच्चों से पेश आएं। समय तेजी से बदल रहा है, युग के आधुनिक करवट ली है। जाहिर है बच्चे अब छोटे नहीं रहे, वे बड़े हो गये हैं। किशोर को जब प्यार हो जाता है तो उनकी सोच यही रहती है कि यही मेरा सच्चा प्यार है लेकिन जब यही सच्चा प्यार उनकी पढ़ाई और जीवन पर असर करने लगता है तो कहीं से भी ठीक नहीं होता। अभिभावक चाहें जो भी समझें, किशोर हमेशा विरोध ही करते हैं। अभिभावक उनका भला ही चाहते हैं, फिर भी किशोरों को लगता है कि वे उनके सबसे बड़े दुश्मन हैं। ऐसे वक्त में न तो बलपूर्वक प्रयोग काम आता है और न ही कोई सलाह! आखिर अभिभावक को क्या करना चाहिए, जब उन्हें पता चले कि उनका किशोर लाडला या लाडली प्यार में है।

इस उम्र में किशोरों को जीवन की कठोर सच्चाइयां समझ नहीं आतीं, उन्हें सब कुछ सपने सरीखा ही लगता है। वे अपनी इसी सपनीली दुनिया में जीना चाहते हैं, जहां सब कुछ चमकता–दमकता है। सबसे पहले तो अभिभावकों को यह समझना होगा कि इस उम्र मे विपरीत लिंग की ओर आकर्षित होना आम बात है।

अभिभावक धैर्य नहीं रख पाते और कड़ा रूख अपना लेते हैं। तभी तो खबरें आती हैं कि पफलां व्यक्ति ने अपने किशोर बच्चे को कमरे में बंद कर दिया, खाना नहीं दिया, पिटाई की, उसे दोस्तों से मिलने पर पाबंदी लगा दी आदि। यह सब बिल्कुल नहीं होना चाहिए। बेटी हो तो उस पर और दस तरह की पाबंदियां। उसे छोड़ने स्कूल–कॉलेज जाना, वहां से लाना, ट्यूशन ले जाना, यह सब बच्चों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि उसके माता–पिता उस पर विश्वास नहीं करते।

होना तो यह चाहिए कि माता–पिता अपने बच्चे से धैर्य रखने को कहें। उसे समझाते रहें कि जब तक कि वे बड़े नहीं हो जाते, उन्हें कोई एक्शन नहीं लेना चाहिए। उन्हें बताएं कि वे अपना जीवन साथी चुनने के लिए स्वतंत्रा है, लेकिन इसके लिए उन्हें कई जिम्मेदारियां भी उठानी पड़ेंगी। इतनी जिम्मेदारियों को उठाने के लिए अपने पैरों पर खड़े होना भी जरूरी हैं। और इसके लिए समय चाहिए। उन्हें बताएं कि किसी भी रिश्ते को पफलने–पफूलने के लिए समय देना आवश्यक है और यही समय बतायेगा कि उनका रिश्ता कितना सच्चा है।

अपनी बातचीत में हमेशा प्रैक्टिकल रहने पर ही जोर दें। यह ध्यान रखें कि यदि आप उसे इमोशनली ब्लैकमेल करेंगी या दबाव डालेंगी तो वह उसका विपरीत ही करेगा। आप चाहें तो अपने बच्चे और उसके दोस्त की जीवनशैली में अंतर बता सकते हैं। उसे यह समझा सकते हैं कि जीवन को लेकर दोनों के अलग नजरिये से आगे चलकर उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक सुरक्षा पर जोर डालें। सबसे अहम तो यह है कि उन्हें समझ में आना चाहिए कि आप उनकी दुश्मन नहीं बल्कि दोस्त हैं, जिनसे वे किसी भी तरह की बात कर सकते हैं अपनी भावनाएं बांट सकते हैं। याद यह रखिए कि आपके और आपके बच्चे के बीच की बातचीत बंद न हो।

दहेज हत्या में हो सकती है फांसी की सजा

दहेज के लिए हत्या करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मौत की घंटी बजा दी है। शीर्ष अदालत ने देश की सभी सुनवाई अदालतों को ओश दिया है कि दहेज हत्या के मुकदमों में वे हत्या की धरा 302 जरूर लगायें। कार्ट ने यह व्यवस्था इसलिए दी है ताकि ऐसे मामलों में दोषियां को मौत की सजा देने पर विचार किया जा सके।

जस्टिस मार्कंडेय काटजू व जस्टिस ज्ञानसुधा मिश्रा की खंडपीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश पंजाब के एक मामले में दिया, जिसमें पति न शादी के छह माह बाद ही अपनी गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। ट्रायल कार्ट ने उसे 10 साल की कठोर सजा सुनाई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे घटाकर सात वर्ष कर दिया। आरोपी राजबीर ने सजा मापफ कराने के लिए सुप्रीम कार्ट में याचिका दी थी।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला सीधे तौर पर गंभीर हत्या का है। पति ने यह भी नहीं देखा कि उसकी पत्नी गर्भवती है और पैसे न लाने के कारण उसे मार डाला। कोर्ट ने राजबीर को नोटिस देकर पूछा है कि क्यों न उसे इस अपराध पर मौत की सजा दी जाये। आदेश में कोर्ट ने कहा कि हम देश की सभी सुनवाई अदालतों को आदेश देते हैं कि वे दहेज हत्या की धारा 304–बी के साथ सामान्य तौर पर धरा 302 भी लगायें। ताकि ऐसे बर्बर तथा घिनौनी हत्याओं में मौत की सजा दी जा सके।

कोर्ट ने रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि आदेश की प्रति सभी हाईकोर्टों को भेज दी जायें जो अपने क्षेत्रा के सभी ट्रायल कोर्टों को इसे प्रेषित करें।

कोर्अ ने इस मामले में राजबीर की 80 वर्षीय मां को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिया। उसे दो वर्ष की सजा मिली थी। धरा 304–बी के तहत दोषी को सातवर्ष से लेकर उम्र कैद की सजा देने का प्रावधन है। वहीं धारा 302 में यह सजा उम्र कैद से शुरू होकर मौत की सजा तक जाती है।

खुद को कम आंकना बंद करें

हालिया सर्वे के अनुसार 40 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना है कि जिस इंडस्ट्री में वे काम कर रहे हैं और जिस तरह का काम कर रहे है उसमें उन्हें दूसरों की तुलना में कम वेतल मिल रहा है जिस पद पर उन्हें होना चहिए था उससे कम पद पर वे काम कर रहे हैं क्या आप भी उन्हीं में से एक हैं? यदि हां तो यह समय है स्वकांकलन करने का। आप इसके कारण खुद अपने में ही पा जायेंगे। कई बार ऐसा आपके स्तर पर ही नई चुनौतियों को स्वीकार करने के डर में निहित होता है। यहां कुछ ऐसे ही उपाये दिये जा रहे हैं जो आपके इस उलझन से निकाल सकते हैं और सपफलता हासिल करने में मदद कर सकते हैं–

चुनौतियां स्वीकार करने से डरे नहीं

संभव है कि आपने अपने लिए एक कंपफर्ट जोन बनाकर रखा हो। आप काम करने में भी माहिर है पर नई जिम्मेदारियां और चुनौतियों को स्वीकार करने से शरमा रहे हैं यह स्वाभाविक है पर यह कैरियर विकास में एक बड़ी बाध भी है। अपने कंपफर्ट जोन से बाकर निकले और नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों को स्वीकार करें।

परपफेक्शन को भूल जाएं :

यदि आप अगला कदम बढ़ाने के लिए अपने काम में परपफेक्शन हासिल करने का इतजार कर हरे है तो संभव है कि आप मौके का इंतजार करते ही रह जायें। परपफेक्शन पर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और कभी भी अपने काम से पूरी तौर पर संतुष्ट नहीं हो पायेंगे। इसलिए अपने काम को स्वीकार्य और सराहनीय बनाने का प्रयास करें और अगले स्तर पर पहुंचने की काशिश करते रहें जब नए अवसर आपका दरवाजा खटखटा रहें हों तो अपने आपका रोके नहीं।

मोल–भाव करें :

किसी भी कंपनी का मैनेजमेंट हमेशा यही

चाहेगा कि वे कम सैलरी पर अच्छे से अच्छे लोगों को अपने यहां नौकरी पर रखें। यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपना महत्व समझे और अपनी काबिलियत का अनुभव और कार्य क्षमता के आधर पर अपने लिए सैलरी के लिए मोलभाव करें। बात चाहें नई नौकरी की हो या पुरानी नौकरी में ही अप्रेजल की जब तक आप प्रमोशन, ऑफिफस में अपने लिए बेहतर भूमिका या सैलरी के लिए अपनी बाते नहीं रखेंगें तब तक आप अपने कैरियर में आगे नहीं बढ़ पायेंगे।

अपनी उम्मीदों को बढ़ाएं :

आपक जॉब प्रोपफाइल के अन्य लोगों को मार्कट में कितनी सैलरी दी जा रही है, सैलरी के संबंध्ति वर्तमान मार्केट ट्रेंड क्या हैं, जानकारियों के बारे में खुद को अपडेट रखें स्वयं को कभी दूसरों से कम न आंके, पिफर चाहें सैलरी के मामले में ही क्यों न हो। आप अपने समकक्षों से बेहतर क नहीं तो कम से कम उनके जितना सैलरी पाने के हकदार है। इस बात को स्वीकारें रिसर्च करें और अपने लिए बेहतर सैलरी पर्क आदि मांगे। कार्यस्थल पर बेहतर प्रदर्शन के बल पर कोई भी आपको कैरियर में आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता है।

अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं :

ऑफिफस में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। अपने बेहतर कार्य से अपनी पहचान बनाएं। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी लें और उसे तय समय सीमा में बेहतर तरीके से पूरा करें। ऑफिफस में आप क्या क्या काम करते हैं। इस बारे में अपने आसपास वालों को बताएं और इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिफस में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों को आपके द्वारा पूरी की गयी जिम्मेदारियों की जानकारी हो। आप अच्छा काम कर रहे हैं पर ऑफिफस में आपके बॉस या अन्य अध्किारियों को इस बारे में कोई जानकारी न हो तो आपकी तरक्की संभव नहीं।

करें ज्यादा का इरादा :

अपना लक्ष्य तय करें और उसे प्राप्त करने की दिशा में कार्य करें। कड़ी मेहनत करें और पूरी दुनिया को इस बात से वाकिपफ करवाएं कि आप क्या काम कर रहे हैं और उसके बदले में आप पदोन्नति या सैलरी में बढ़ोत्तरी के हकदार भी हैं। अपने सपनों पर किसी तरह का लगाम न लगाएं और जिंदगी में जो भी मिले उसी से संतसुष्ट हो जाने को अपनी आदत कभी न बनाएं हमेशा ज्यादा का इरादा करें तो सपफलता आपके कदम चूमेगी।

मॉ

कविता संग्रह : धूप की पत्तियां

ऑगन में उम्मीद की बेल सजा के ।
अब सुला दे तू मुझे लोरी सुना के ।।
बहुत दिनों से भटकता रहा हूॅं मैं ।
डॉट दे तू मुझे घर पर बुला के ।।

राजा रहा मैं जब तक तेरे पास रहा ।
बेहाल हो गया मैं इस भीड. में आके ।।
दुनिया का अखबार न समझ आया मुझे ।
स्कूल तू भेज दे मुझे काजल लगाके ।।
ला मेरे खिलौने चॉदी का नजरिया ।
मेरी चाल देख अब पैजनिया पहनाके ।।

मेरे हर दर्द का पता है तुझे ।
गम सोख ले गोदी में घुमाके ।।
तुलसी हकीम है तू नीम की छॉव है ।
सिर पर कंघी फेर दे , तेल लगा के । ।
वो तेरे चॉद तारे , ताबीज करामाती ।
तू बेफिक्र हो गई है मेरे गले में पाके ।।
कई बार गिरा मैं दौडने के खयाल से ।
हिम्मत दी है तूने पीठ थपथपाके ।।

हॅसकर उछाल और लपक ले हाथें में ।
मैं भी दुनिया देख लू , आसमां में जाके । ।
शहर का शोर बहुत चिरता है मुझे ।
गॉव लेचल मुझे ता ॅंगे में बैठा के । ।

संजय वशिष्ठ

अंत्योदय का सपना साकार, गरीब दलित का बेटा बना देश के राष्ट्रपति – मनोज तिवारी

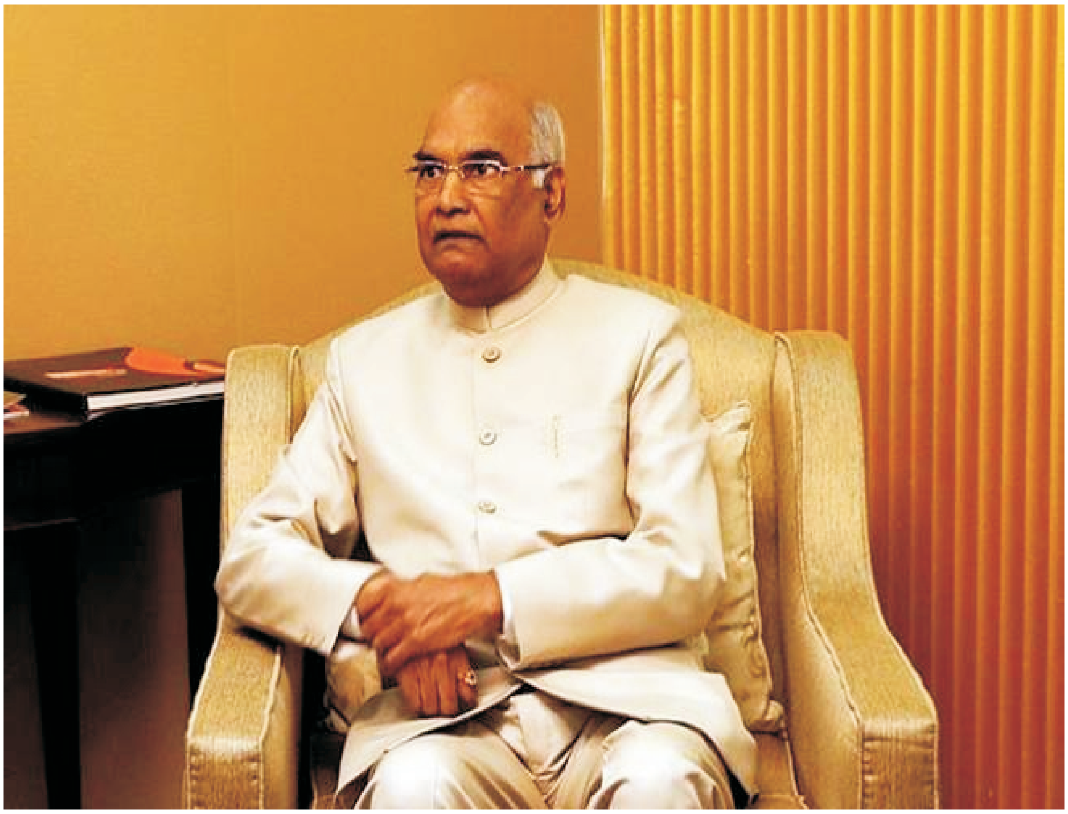

रामनाथ कोविंद

दिल्ली बीजेपी ने मनाया दलित स्वाभिमान का जश्न, बांटी मिठाइयां

देश के 14 वें राष्ट्रपति चुने जाने की श्री रामनाथ कोविंद की जैसे ही आधिकारिक घोषणा हुई भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। भारतीय जनता पार्टी एस.सी. मोर्चा के कार्यकर्ता बैंड बाजा और ढोल–नगाड़ों के साथ प्रदेश कार्यालय पहुंचे। प्रदेश कार्यालय पर जश्न का माहौल बन गया और ढोल–नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता नाचने लगे। कार्यकर्ताओं ने अबीर गुलाल उड़ाकर खुशी जाहिर की। श्री तिवारी ने मिठाइयां बांटकर आपस में विजय श्री की खुशियां बांटी। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी ने भी इस मौके को देश के लिए ऐतिहासिक बताया और कहा कि जिस पृष्ठभूमि से रामनाथ कोविंद निकलकर राष्ट्रपति भवन पहुंचे हैं, वो वाकई गर्व करने वाला है। इसीलिए इस जीत का जश्न मनाना जरूरी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी ने नवनिर्वाचित महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को बधाई दी। तत्पश्चात जश्न में डूबे कार्यकर्ताओं के बीच जा कर स्नेह और खुशियां बांटी।

प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी ने कहा कि आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय का सपना साकार हो गया और एक गरीब परिवार में जन्मे दलित के बेटे को देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाकर भाजपा ने सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत को एक बार फिर चरितार्थ किया है। श्री मनोज तिवारी ने कहा कि श्री रामनाथ कोविंद जी की जीत, देश के करोड़ों दलितों की जीत है जो अपनी आंखों में ऊंचाइयों की आशा को लेकर देश के निर्माण में अपना खून पसीना बहाते हैं। उन्होंने कहा यह जीत है, ईमानदारी की यह जीत, दलितों के स्वाभिमान और सम्मान की है। दिल्ली बीजेपी युवा मोर्चा ने मंदिर मार्ग पर वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर कोविंद के राष्ट्रपति चुने जाने का जश्न मनाया। पार्टी के युवा मोर्चा ने वाल्मीकि मंदिर को जश्न मनाने के लिए चुना क्योंकि पार्टी ने इसे दलित प्राइड के साथ जोड़ा है।

इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्शवर्धन सहित पार्टी के उपाध्यक्ष एवं वरिश्ठ नेता श्री जय प्रकाश एवं सैकड़ों कार्यकर्ता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के स्मारक स्थल 26 अलीपुर रोड पर एकत्रित हुये जहां बाबा साहब की विचारों की जीत बताते हुये पार्टी नेताओं ने समाज के निचले स्तर से निकले व्यक्ति को मिले इस सम्मान को ऐतिहासिक बताया वहीं पं. दीनदयाल उपाध्याय और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं राश्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित भााह के दनि एवं भाव को चरितार्थ होते हुये बताया है।

पार्टी के दलित कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों के साथ खूब झूमे और एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

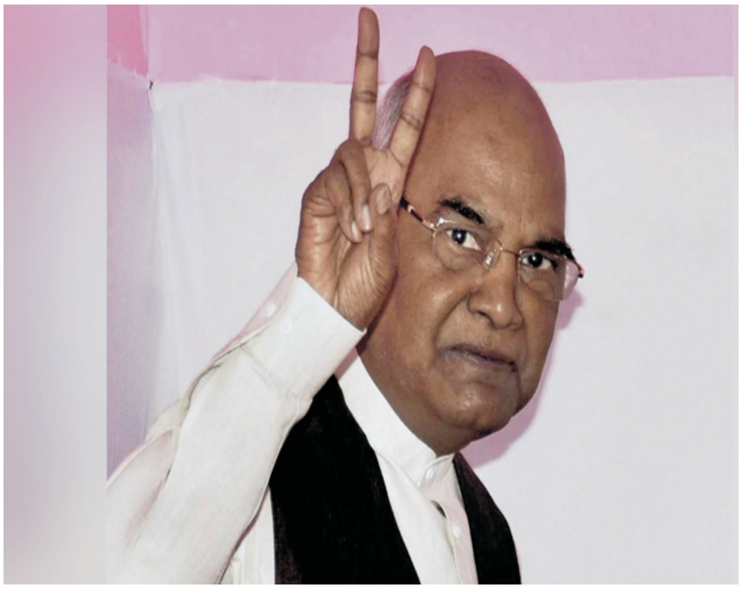

खास बात ये रही कि मोर्चा की तरफ से रामनाथ कोविंद के फोटो के साथ दलित उत्थान के पोस्टर और तख्तियां लायी गईं थीं, जिन पर एक दलित के राष्ट्रपति बनने की बात को दलित प्राइड के नारों से लिखा गया था।

प्रदेश कार्यालय का नजारा देखते ही बन रहा था। भाजपा का अन्त्योदय, एकात्मक मानववाद एवं दलित सम्मान का भाव ऐसे देखने को मिला कि हर आदमी को लग रहा था कि यह सच में हमारे विचारों की विजय है। ऐसे में संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत चहल, श्री राजेश भाटिया, प्रदेश प्रवक्ता श्री अशोक गोयल, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री सुनील यादव, एस.सी. मोर्चा के अध्यक्ष श्री मोहनलाल गिहारा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहम्मद हारुन, मीडिया संपर्क विभाग प्रमुख श्री नीलकांत बख्शी एक दूसरे को एवं बड़ी संख्या मौजूद कार्यकर्ताओं को मिठाई और बधाई दोनों देते हुये दिखाई दिये।

हंगरी के बुदापेस्ट में 7वें अन्तराश्ट्रीय साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन में प्रख्यात साहित्यकार प्रेम भारद्वाज ज्ञान भिक्षु को अन्तराश्ट्रीय काव्य सिन्धु साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर उनकी दो काव्य पुस्तक ' नई सहर होगी ' और काश हम गजल एवं कविताओं की पुस्तक का लोकार्पन भी हुआ । प्रेम भिखु ने इस अवसर पर अपनी कविताओं की कुछ पंकितयां भी प्रस्तुत की ।

राजनाथ सिंह ने किया रूद्राक्ष का पौधारोपण

द्वारा चलाये जा रहे पौधारोपण अभियान के अन्तर्गत कई राजदूतों, उच्चायुक्तों और राजनयिकों ने भी पौधारोपण किया । इसमें रूस, चीन, इंडोनेशिया, बेल्जियम, वियतनाम, ग्रीस, मिस्र, वेनेजुएला, बोल्विया, क्यूबा, हंगरी, सूडान, सर्बिया, डेनमार्क इत्यादी देशों के राजनयिकों ने भाग लिया । दूतावासों के परिसरों में उनकी पंसद के पौधे लगाये गये, जिनमें आर्चिड, रेड कॉटन, मेरीगोल्ड, बडालिया, कालेस्टिोन, बॉटल ब्रश, सिल्वर ओक, जिजिपस, मॉरिस अल्बा, नीम तथा अशोक के पौधे शामिल है । भारत मे रूस के राजदूत श्री अनातोली कार्गापोलव ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि डिप्लोमेटिक एरिया में चलाया जा रहा यह हरित अभियान यहॉ की हरियाली को सुरक्षित रखने ही नही बल्कि इसकी वृद्दि के लिए भी एक सार्थक प्रयास सिद्व होगा । उन्होंने आश्वस्त किया कि रूसी दूतावास अपने परिसर के अन्दर और बाहर सभी प्रकार की हरियाली का पालन पोषण करने में कोई कोर कसर नही छोडेगा । भारत और रूस के राजनयिक संबंधों की 71वीं वर्षगांठ के अवसर पर रूस के राजदूत ने एक पौधा भी लगाया । ''नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् द्वारा डिप्लोमेटिक एरिया में विभिन्न प्रकार के फल और फूलों के पौधे लगाये जाने के इस अभियान की मैं सराहना करता हूॅं, इस से दूतावासों और उच्चायोगों की हरियाली और सुन्दरता में बढोतरी होगी । मैं इस हरित–प्रयास के लिए पालिका परिषद् की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूॅं जिसके प्रयासों से न केवल डिप्लोमेटिक एरिया बल्कि सम्पूर्ण नई दिल्ली की हरियाली में बढ़ोतरी होगी ।

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् द्वारा चलाये जा रहे विशेष पौधारोपण अभियान के अन्तर्गत अपने अकबर रोड़ स्थित सरकारी निवास में रूद्राक्ष का एक पौधारोपण किया। श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् द्वारा इस बरसाती मौसम में चलाये जा रहे पौधारोपण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पिछले वर्ष पालिका परिषद् द्वारा किये गये वृक्षारोपण कार्यक्रम के अच्छे और सफल परिणाम सामने आये है । गृहमंत्री ने और अधिक प्रयासो की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राजधानी दिल्ली के वायु प्रदूषण को न्यूनतम करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में भरसक प्रयास करने चाहिए ।नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में विभिन्न देशों के दूतावासों और उच्चायोगों में भी आजनई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

यह बात चीन के भारत में राजदूत श्री लाऊ झाओहुई ने चीनी दूतावास में चिकू का एक पौधारोपण करने के बाद कही । उन्होंने यह भी कहा कि चालू मानसून के मौसम में पालिका परिषद् द्वारा चलाया जा रहा सघन पौधारोपण अभियान यहाँ की हरियाली को बेहतर बनाने की दिशा में एक उत्कृष्ट प्रयास है । उन्होंने कहा कि चीनी दूतावास परिसर और उसके आस–पास की हरियाली की देखरेख तथा पोषण के लिए दूतावास की ओर से विशेष ध्यान दिया जायेगा ।

वेनेजुएला के राजदूत श्री आगस्तो मान्टियल ने शान्तिपथ पर भारत अफ्रीका मैत्री गुलाब उद्यान में पौधारोपण करने के अवसर पर कहा कि वे लैटिन अमेरिका प्रजातियों के ऐसे पौधों को यहाँ लगाने की संभावनाओं की तलाश करेंगें जिनकी मृदा यहाँ गुलाब उद्यान के अनुकूल हो ताकि उनको यहाँ लाकर लगाया जा सके । उन्होंने यह भी कहा कि इस उद्यान की हरियाली में होने वाली वृद्धि से भारत और अफ्रिकी देशों के बीच की एकता, शांन्ति और सौहार्द की समृद्धि होगी ।
पालिका परिषद् के द्वारा चलाये जा रहे पौधारोपण कार्यक्रम के चौथे सप्ताह के अन्तर्गत अब तक केन्द्रीय मंत्रियों, सांसदों, न्यायाधीशों, उच्चाधिकारियों, स्कूलों, कॉलेजों, आवासीय परिसरों, मार्किटों, सरकारी और गैर सरकारी ईमारतों में विभिन्न प्रकार के फल और फूलों के पौधे लगाए जा चूके है, इनके अतिरिक्त कई स्थानों पर मृदा के अनुकूल औषधीय पौधे भी लगाये गये है ।

इस अवसर पर पालिका परिषद् के अध्यक्ष श्री नरेश कुमार ने बताया कि चार सप्ताह से चल रहे इस पौधारोपण अभियान में अब तक सात लाख पौधे लगाये जा चुके है जबकि इस बरसाती मौसम में पौधे लगाने का लक्ष्य 10 लाख है । उन्होंने कहा कि अब तक इस अभियान का 70 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है । हमारा प्रयास रहेगा कि इस अभियान से यहाँ की हरियाली को 48 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक किया जाये ।

भारत जीवन बीमा के माध्यम से सरकार की प्रधानमंत्री वयवंदना योजना का औपचारिक शुभारंभ

भारत सरकार द्वारा विशेश रूप से वरिश्ठ नागरिकों के लिए तैयार की गई इस पेंशन योजना का शुभारम्भ केन्द्रिय वित्तमंत्री रक्षा मंत्री तथा कारपोरेट अफेयर मंत्री अरूण जेटली द्वारा किया गया । यह योजना60 वर्श या उससे अधिक के लागों के लिए है 4 मई 2017 से 3 मई 2018 तक बीकी के उपलब्ध है इसे ऑनलाईन या आफलाईन दोनो ही तरीकों से भारतीय जीवन बीमा के माध्यम से लिया जा सकता है । यह योजना 8 प्रतिषत प्रतिवर्श के दर से मासिक आधार पर 10 वर्शो के लिए निष्चित लाभ प्रदान करता है ।

पेंशन पॉलिसी अवधी के दौरान मिलेगी तथा 10 वर्श की पॉलिसी अवधी समाप्ति के उपरांत , पेंसेनर के जीवित रहने पर खरीद मूल्य पेंषन के अंतिम किष्त के साथ भुगतान देय होगा । यह योजना सर्विस टैक्स या जीएसटी से मुक्त होगा । खरीद के समय पेंसेनर ,मासिक तिमाही , अर्धवार्शिक तथा वार्शिक में से किसी एक का चयन पेंषन भुगतान विधि के रूप में करसकता है दिल्ली में आयोजित षुभारम्भ समारोह में वित्त मंत्रालय के वरिश्ठ प्रतिनिधिगण ,

वी के षर्मा अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगम तथा प्रबंध निदेषकगण और अन्य वरिश्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

‘हर हाथ ,एक किताब’

''राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना के 60 वर्ष पूरे के अवसर पर हमारा लक्ष्य है कि देश के हर बच्चे तक, प्रत्येक पाठक तक उसकी पसंद की, उसकी आवश्यकता के अनुरूप और उसकी अपनी बोली–भाषा में पुस्तक उपलब्ध हो। इस अवसर पर न्यास ने कई ऐसे अभिनव योजनाएं प्रारंभ की हैं जिससे पूरे देश में पुस्तकों की उपलब्धता को विस्तार मिलेगा।'' यह उद्‌गार थे राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा के, वे एक पत्रकार वार्ता में रा.पु. न्यास की स्थापना के 60 वर्ष के अवसर पर वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत कर रहे थे। इस अवसर पर न्यास की निदेशक डॉ. रीता चौधरी ने भी पत्रकारों से बात की।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ज्ञान के प्रसार की अभिनव योजना ‘हर हाथ ,एक किताब’ : श्री बल्देव भाई शर्मा

01 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास यानि नेशनल बुक ट्रस्ट,इंडिया अपनी स्थापना का 60वां वर्ष पूर्ण किया। इस अवसर पर सालभर आयोजित होने वाले अनूठे आयोजनों का शुभारंभ 01 अगस्त 2017 को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर किया। 01–02 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि हमारी आंचलिक क्षेत्रों में आयोजित होने वाली सचल पुस्तक प्रदर्शिनियों से ले कर विश्व पुस्तक मेले के अनुभव इस बात को अस्वीकार करते हैं कि लोगों में पढ़ने की आदत कम हो रही है। उन्होंने बताया कि आवश्यकता इस बात की है कि लोगों तक पुस्तकों की पहुंच को बढ़ाया जाए और न्यास ने इस दिशा में कई नई योजनाएं प्रारंभ की हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुस्तक मेला

विशेषतः ग्रामीण पाठकों को ध्यान में रखते हुए एक अनूठी पहल, जिसमें पठन संस्कृति के प्रोन्नयन हेतु स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं को शामिल किया जाएगा।

जंबूरी : बच्चों एवं युवाओं हेतु पठन–उत्सव

बाल साहित्य के प्रकाशन एवं प्रोन्नयन हेतु एक अग्रणी संस्था होने के नाते राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, बच्चों के लिए रंगबिरंगी, मनोरंजक, ज्ञानवर्धक और वाजिब दाम पर पुस्तकों के लिए एक ऐसा मंच प्रस्तुत कर रहा है जहाँ पारंपरिक और डिजिटल सामग्री निर्माताओं, प्रकाशकों, युवा पाठकों, लेखकों, अभिभावकों, अध्यापकों, कलाकारों तथा चित्रकारों के बीच, परस्पर विचार–विमर्श को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय संस्कृत पुस्तक मेला

सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक, संस्कृत से संबंधित भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के प्रोन्नयन हेतु राष्ट्रीय संस्कृत पुस्तक मेले की संकल्पना की गई है जिसका उद्देश्य संस्कृत की पुस्तकों एवं प्रकाशनों को प्रदर्शित करने के साथ–साथ अन्य भाषाओं में लिखी संस्कृत पर आधारित पुस्तकों को प्रदर्शित करना है।

हर हाथ–एक किताब

स्नैपडील के साथ मिल कर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने एक योजना प्रारंभ की है जिसके तहत कोई भी व्यक्ति जरूतरमंद पाठकों तक पुस्तकें पुहंचाने के लिए स्वेच्छा से दान दे सकता है। सौ रूपए में चार पुस्तकें। इस तरह एकत्र राशि से न्यास की पुस्तकें , देशभर के पुस्तक प्रेमियों व बच्चों के बीच दूरदराज तक पठन प्रोन्नयन के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं तक पहुंचाने का कार्य शुरू किया है।

भारतीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडी)के साथ सहभागिता

न्यास अपने प्रकाशनों तथा प्रदर्शनियों के डिज़ाइन तथा व्यापक आकर्षण को बढ़ाने के लिए देश के प्रमुख डिज़ाइन संस्थान के साथ संस्थागत सहयोग हेतु अग्रसर है।

छात्राओं के लिए प्रकाशन पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए प्रकाशन में विशिष्ट प्रकाशन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

डिजिटल प्रकाशन कार्यशालाएँ

डिजिटल सामग्री की बढ़ती माँग को ध्यान में रखते हुए न्यास, प्रमुख सरकारी संस्थान, प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी–डैक) तथा प्रमुख आईटी कंपनियों, जैसे माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से भारतीय भाषा लेखकों, प्रकाशकों तथा अन्य प्रकाशन पेशेवरों के लिए डिजिटल प्रकाशन कार्यशालाएँ आयोजित करेगा।

पुस्तक पठन एवं पुस्तक मेलों पर शोध

न्यास ने अपने शोध एवं नवाचार कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रमुख शोध संगठन, एनसीईआर के माध्यम से सर्वेक्षण पर आधारित शोध कार्यक्रम संचालित करने का प्रस्ताव किया है जिसमें पुस्तक मेलों के व्यापार, पाठकीयता–विकास तथा क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों में पुस्तक मेलों के आयोगदान आदि पर शोध किया जाएगा।

विशिष्ट आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए पुस्तकें (ब्रेल, स्पर्शनीय एवं श्रव्य पुस्तकें आदि)

न्यास ब्रेल भाषा में अपने प्रकाशन कार्यक्रम को और अधिक विकसित करने हेतु विशिष्ट आवश्यकताओं वाले पाठकों के लिए ब्रेल, स्पर्शनीय एवं श्रव्य/डिजिटल प्रारूप में उत्तम गुणवत्ता की पुस्तकें प्रकाशित करने के प्रयासों को बढ़ावा देगा। पुस्तकालयों के माध्यम से पुस्तक प्रोन्नयन हेतु भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन के साथ सहयोग

भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन (आईपीएलएम)के सहयोग से न्यास, व्यापक पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों का आयोजन करेगा जिनके केंद्र में पुस्तकालयों का नेटवर्क होगा।

दुर्लभ पुस्तकों का प्रकाशन

रा पु न्यास कुछ ऐसी पुस्तकों का प्रकाशन कर रहा है जो कि अनेक वर्ष पहले प्रकाशित हुईं, लेकिन आज उपलब्ध नहीं हैं । जैसे – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी अभिनंदन ग्रंथ , दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति–चित्र (संपा. डॉ कमल किशोर गोयनका) और भारत की मौलिक एकता(श्री वासुदेव शरण अग्रवाल) का प्रकाशन। इसी क्रम में कई दुर्लभ व महत्वपूर्ण पुस्तकों का पकाशन होगा।

त्रैमासिक पत्रिका 'पुस्तक संस्कृति'

देशभर के स्थापित और नए लेखकों को एक मंच प्रदान करने, नई पुस्तकों और पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों की जानकारी देशभर के पाठकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई न्यास की त्रैमासिक पत्रिका 'पुस्तक संस्कृति' को व्यापक पाठक वर्ग मिला है।

गोल्डन थ्रेड्सः ड्रीम्स इन ए कुकून

असम हैंडलूम को वैश्विक पहचान प्रदान करने के लक्ष्य के साथ प्राईड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्रा. लि. ने एक अद्वितीय ईवेंट : ''गोल्डन थ्रेड्सः ड्रीम्स इन ए कुकून'' पेश की। अपनी तरह की यह पहली ईवेंट, गोल्डन थ्रेड्स प्रदर्शित करती है कि प्राचीन क्राफ्ट रूप एवं ग्लैमरस फैशन उद्योग सामंजस्य के साथ सहअस्तित्व में रह सकते हैं। इस अभियान के द्वारा असम के प्राचीन स्वर्णिम धागे– मूगा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। एहोम शासकों के शासन के दौरान, मुगावा एक प्रतिष्ठित वर्ग का निर्माण करता था और राज्य के उच्चाधिकारी केवल मूगा सिल्क से बने कपड़े पहनते थे। उन दिनों राज्य के संरक्षण में कई मूगा हथकरघे चलते थे और इसीलिए मूगा, राजघोरिया (शाही) करघे के रूप में प्रसिद्ध था।

रिनिकी भूयन शर्मा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, प्राईड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्रा. लि. ने कहा, ''फैशन शो, 'गोल्डन थ्रेड्सः ड्रीम्स इन ए कुकून' में आधुनिक फैशन ट्रेंड्स के साथ एथनिक कूटर का प्रदर्शन किया जाएगा, साथ ही असम हैंडलूम की विरासत एवं संपन्नता को सुरक्षित भी रखा जाएगा। इस अभियान का लक्ष्य देश के सर्वोच्च फैशन समुदायों के बीच असम के हैंडलूम उद्योग की संपन्न विरासत पेश करना है।''

उन्होंने आगे कहा कि हमारा संपूर्ण लक्ष्य असम के स्वर्णिम धागों– मूगा को संरक्षित करके इसे बढ़ावा देना है, जो आज विलुप्त होने के कगार पर आ गया है।''

19 अक्टूबर को इस यात्रा की शुरुआत हुई, जब प्राईड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्रा. लि. ने दिल्ली स्थित फैशन डिज़ाईनर, सामंत चौहान को पेश किया, जिन्होंने हाथ से बुने भारतीय टेक्सटाईल्स पर काफी काम किया है। उनकी क्लोदिंग की श्रृंखला काफी सुलभ, स्पष्ट, एवं मौलिक है। उनके हर परिधान का रूप यार्न की स्टेज में विकसित होता है, जिसमें न केवल कपड़े को, बल्कि यार्न एवं फैब्रिक को भी विभिन्न ट्रीटमेंट्स दिए जाते हैं। इससे ये अद्वितीय बनते हैं और उनका संग्रह सबसे अलग दिखता है। बॉलिवुड दिवा सोनल चौहान ने शो स्टॉपर के रूप में रैंप की शोभा बढ़ाई। वो सामंत चौहान के फ्लोर–लेंथ गाउन में काफी मोहक दिख रही थीं।

इस ईवेंट में उनके कलेक्शन और परंपरागत असमी सिल्क परिधानों का बेहतरीन संगम था, जो फैशन एवं हथकरघे के बीच के सामंजस्य का वर्णन कर रहा था।

इस शाम की शुरुआत राज्य में हथकरघे की संपन्न विरासत के परिचय के साथ हुई, जिसके साथ एवी प्रेज़ेंटेशन भी दिया गया। इसके बाद सिल्क में राज्य के परंपरागत परिधानों और प्रसिद्ध गोल्डन थ्रेड्स– मूगा का प्रदर्शन किया गया, जो पूर्व के मैनचेस्टर, सुआलकुची के बुनकरों ने बनाए थे। इसके बाद मेहमानों को चौहान के अद्वितीय एवं आकर्षक संग्रह की खूबसूरती देखने का मौका भी मिला।

Shahnaz Husain receiving the Outstanding Ayurvedic Innovation Award in the British Parliament in London from Mr. Eric Pickles, Secretary of State for Communications and Local Government, U.K.

The President of India, Shri Pranab Mukherjee with Shahnaz Husain at Rashtrapati Bhavan, blessing the visually impaired students of Shasight, Shahnaz Husain's free vocational course for the visually challenged.

सेवा और विश्वास के 60 वर्षों की गौरवपूर्ण पूर्ति के अवसर पर हम **प्रस्तुत कर रहे हैं**

छः की चमक. जीवन में रौनक.

एलआईसी का बीमा डायमंड प्लान

Plan No.: 841 UIN: 512N307V01

छः विशिष्ट लाभ

- परिपक्वता मूल्य
- जोखिम संरक्षण
- लॉयल्टी एडिशन
- मनी बैक
- विस्तारित संरक्षण
- ऑटो कवर

मनी बैक: प्रत्येक चौथे वर्ष में | **विस्तारित संरक्षण:** मूल बीमा राशि का 50% | **विस्तारित संरक्षण अवधि:** पॉलिसी परिपक्व होने के बाद भी मूल अवधि की आधी अवधि के लिए अतिरिक्त संरक्षण | **ऑटो कवर:** प्रीमियम का भुगतान बकाया होने की अवधि में भी जोखिम संरक्षण जारी | **पॉलिसी के अंतर्गत बीमा राशि:** ₹1,00,000 से ₹5,00,000 | **पॉलिसी/प्रीमियम अवधि:** (16/10), (20/12), (24/15) | **प्रवेश की न्यूनतम आयु:** 14 वर्ष (पूर्ण)

अपने एजेंट/शाखा से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.licindia.in पर विज़िट करें या अपने शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

नकली फ़ोन कॉल्स और जाली/धोखेधड़ी वाले ऑफ़र्स से सावधान रहें.
आईआरडीएआई जनता को स्पष्ट करता है – आईआरडीएआई या इसके अधिकारी किसी प्रकार के इंश्योरेन्स या फायनान्शियल प्रोडक्ट्स की बिक्री जैसी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. और न ही प्रीमियम्स का निवेश करते हैं. आईआरडीएआई द्वारा किसी बोनस की घोषणा नहीं की जाती है. अगर किसी को ऐसे कोई फ़ोन कॉल्स प्राप्त हों तो कृपया ऐसे फ़ोन्स कॉल और नंबर के विवरण के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं.

LIC India Forever

IRDAI Regn. No. 512

जोखिम घटकों, नियमों तथा शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए बिक्री के समापन से पूर्व सेल्स ब्रोशर को ध्यानपूर्वक पढ़ें.

NORTH ZONE

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

योगक्षेमं वहाम्यहम्

हर पल आपके साथ

LIC/03/16-17/58/HIN